महायुति का जश्न

दिव्य आकाश

कोरबा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

वर्ष-15, संयुक्तांक - 32+33 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 15 से 28 नवम्बर 2024 | पृष्ठ-8 मूल्य रू. 3.00

सुविचार

दूसरों के लिए अच्छा न कर सकें, तो बुरा करने के लिए भी न सोचें...।

महाराष्ट्र एवं झारखण्ड में सरकारें रिपिट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

महाराष्ट्र एवं झारखण्ड में हुए विधानसभा चुनाव में सरकारें रिपिट हो गई। महाराष्ट्र में महायुति को एकतरफा बढ़त मिली है। 288 विधानसभा सीटों में भाजपा गठबंधन महायुति 230 सीटों पर आगे चल रही है, इसमें 107 सीटों पर जीत मिल चुकी है और 123 पर आगे है। कांग्रेस नेतृत्व वाली महाअघाड़ी 50 का आंकड़ा भी पूरा नहीं कर पाई और इस चुनाव में महाअघाड़ी को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इसी तरह झारखण्ड में हेमंत सोरेन की सरकार वापस आ गयी है। 81 सीटों में हुए चुनाव में झारखण्ड मुक्तिमोर्चा (इंडि गठबंधन) को 56 सीटों पर आगे चल रही है और 9 सीटों का फायदा भी दिख रहा है, वहीं एनडीए को 24 सीटों पर बढ़त दिख रही है और पिछले चुनाव से 6 सीटों का नुकसान दिख रहा है। इस तरह से झारखण्ड में इंडि गठबंधन ने अच्छा प्रदर्शन किया। उत्तरप्रदेश में फिर से योगी का जादू चल गया। 9 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में 7 सीटों पर भाजपा को जीत मिली है, वहीं 2 सीटों पर सपा को जीत मिली है। वायनाड से प्रियंका गांधी ने 4 लाख + वोटों से जीतकर इतिहास बना दिया। महाराष्ट्र में इंडि गठबंधन की हार से कांग्रेस कार्यालय में सन्नाटा छाया हुआ है।

महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन की सरकार बनना तय

शिंदे बोले- सीएम तीनों पार्टियां मिलकर तय करेंगी; फडणवीस ने कहा- एक हैं तो सेफ हैं

मुंबई(एजेंसी)।

महाराष्ट्र चुनाव रिजल्ट में महायुति ने एक तरफा बढ़त बनाई है। 288 विधानसभा सीटों में भाजपा गठबंधन 230 पर आगे है, जिसमें से 107 सीटों पर जीत मिल चुकी है। 123 पर आगे हैं।

वहीं कांग्रेस के नेतृत्व वाले महा विकास अघाड़ी 50 का आंकड़ा भी पार करता नहीं दिख रहा। अभी तक MVA ने 22 सीटें जीत ली है, 24 पर आगे हैं।

राज्य में भाजपा गठबंधन की सरकार बनना तय है। मुख्यमंत्री शिंदे और देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि तीनों पार्टी मिलकर तय करेंगी कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। इससे पहले फडणवीस ने सोशल मीडिया पर लिखा था- एक हैं तो सेफ हैं। महायुति में बीजेपी, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) शामिल है, जबकि महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव ठाकरे) और एनसीपी (शरद पवार) है। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों पर 20 नवंबर को वोटिंग हुई थी। 2019 के मुकाबले इस बार 4 प्रतिशत ज्यादा वोटिंग हुई। 2019 में 61.4 प्रतिशत वोट पड़े थे। इस बार 65.11प्रतिशत वोटिंग हुई।

सभी 288 सीटों का रुझान/रिजल्ट

गठबंधन	आगे	जीते	कुल
महायुति	123	107	230
महाअघाड़ी	24	22	46
अन्य	7	6	12

पार्टीवाइज रिजल्ट/रुझान

पार्टी	आगे	जीते	कुल
भाजपा	78	55	133
सेनाशिंदे	29	27	56
एनसीपी (अजित गुट)			16
25	41		
कांग्रेस	11	5	16
सेनाउद्धव	9	11	20
एनसीपीशरद	4	6	10
अन्य	6	6	12

BJP का स्ट्राइक रेट सबसे ज्यादा, NCP शरद का सबसे कम

पार्टी	सीटों पर चुनाव लड़े	सीटों पर आगे	स्ट्राइक रेट
भाजपा	149	132	88%
शिवसेना शिंदे	81	55	67%
एनसीपी अजित	59	41	69%
कांग्रेस	101	16	15%
शिवसेना यूबीटी	95	21	22%
एनसीपी शरद	86	10	11%

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 363 महिला उम्मीदवार मैदान में थीं। जिनमें सिर्फ 18 को जीत मिलीं। जिसमें से सबसे ज्यादा बीजेपी की 12 महिला उम्मीदवार हैं। 3 एनसीपी अजित गुट, 2 शिंदे गुट और एक कांग्रेस से हैं। पिछले दो विधानसभा में चुनाव जीतने वाली महिलाओं की सबसे कम संख्या है।

विनोद तावड़े बोले- आज रात या कल तक सीएम तय हो जाएगा

भाजपा महासचिव विनोद तावड़े ने कहा कि हमें 26 नवंबर तक सरकार बनानी है, क्योंकि 26 नवंबर को विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो रहा है। सीएम कौन होगा इसे लेकर फैसला भाजपा, शिवसेना और अजित पवार की पार्टी मिलकर ही करेगी। आज रात या कल तक हम लोग फैसला कर लेंगे कि सीएम कौन होगा।

डिप्टी सीएम फडणवीस ने कहा-यह एकता की जीत है

फडणवीस ने कहा, महाराष्ट्र के लोगों ने हमें अभूतपूर्व जीत दी है। इससे पता चलता है कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हैं। एक हैं तो सुरक्षित हैं के नारे के अनुरूप, सभी वर्गों और समुदायों के लोगों ने एकजुट होकर हमारे लिए मतदान किया। यह महायुति, सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम अजीत पवार और रामदास अठावले की जीत है, यह एकता की जीत है। धर्म के नाम पर बांटने की कोशिश नाकाम रही। हमने दुष्प्रचार को चलने नहीं दिया। एक हैं तो सेफ हैं।

झारखंड में फिर से हेमंत सरकार 56 सीटों पर जीत

हेमंत बोले- I.N.D.I.A. की परफॉर्मेंस अच्छी, रांची में पोस्टर- शेरदिल सोरेन फिर आया

रांची (एजेंसी)।

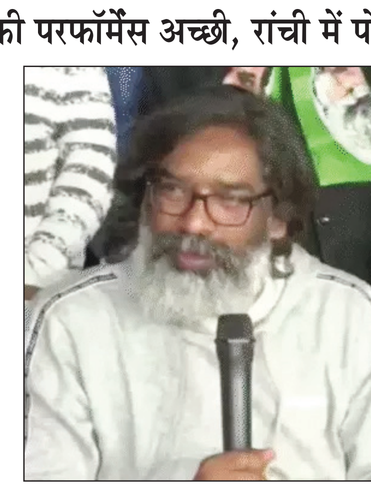

झारखंड विधानसभा चुनाव के रुझानों में हेमंत सोरेन दोबारा सत्ता में आ गए हैं। 81 सीटों में झामुमो गठबंधन ने 56 सीटों पर जीत दर्ज की है। यह आंकड़ा 41 के बहुमत से 15 सीट ज्यादा है।

भाजपा गठबंधन ने 24 सीटों पर जीत दर्ज की है यानी बहुमत के आंकड़े से 13 सीट कम। हेमंत सोरेन ने कहा कि चुनाव में I.N.D.I.A. ब्लॉक का परफॉर्मेंस अच्छा रहा है। सोरेन ने जनता का धन्यवाद जताया और कहा कि जमीन पर मौजूद उन नेताओं का भी शुक्रिया, जो जनता की ताकत को पार्टी तक लेकर आए।

रांची की सड़कों पर अब पोस्टर लग रहे हैं। सबके दिलों पर छा गया, शेरदिल सोरेन फिर आ गया। हेमंत सोरेन झारखंड के पहले ऐसे मुख्यमंत्री होंगे जो लगातार दूसरा चुनाव जीतकर CM की कुर्सी संभालेंगे।

पीएम मोदी बोले- बांग्लादेशियों के मुद्दे पर काम करेंगे

झारखंड के नतीजे सामने आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं झारखंड की जनता को नमन करता हूं। विपक्ष में रहकर हम राज्य के विकास और बांग्लादेशियों के मुद्दे पर काम करेंगे।

भाजपा बोली- कांग्रेस यहां EVM का मुद्दा क्यों नहीं उठाती ?

झारखंड के भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा, कांग्रेस झारखंड में ईव्हीएम का मुद्दा क्यों नहीं उठाती ? जब हारते हैं तब ऐसा करते हैं। मैं हेमंत सोरेन को चुनाव जीतने पर बधाई देता हूं और जनादेश को स्वीकार करता हूं।

पवन देव,अरुण देव या हिमांशु गुप्ता हो सकते हैं छत्तीसगढ़ पुलिस के मुखिया

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ में नए डीजीपी की तलाश शुरू हो गई है। वर्तमान डीजीपी अशोक जुनेजा का कार्यकाल 5 फरवरी, 2025 को पूरा होने वाला है। जुनेजा का कार्यकाल पूरा होने से पहले सरकार ने 5 सीनियर आईपीएस अधिकारियों के नाम शॉर्टलिस्ट कर लिए हैं। हालांकि उनमें से डीजीपी की रेस में 3 अधिकारियों के नाम सबसे आगे हैं। पवन देव, अरुण देव या फिर हिमांशु गुप्ता छत्तीसगढ़ पुलिस के नए मुखिया हो सकते हैं। नवा रायपुर स्थित पुलिस मुख्यालय ने करीब 22 दिन पहले गृह विभाग को एक गोपनीय प्रस्ताव सौंपा था।

इस प्रस्ताव में तीन अलग-अलग बैच के पांच अफसरों के नाम थे। राज्य सरकार इनमें से किसी को भी छत्तीसगढ़ पुलिस का मुखिया बना सकती है। विभागीय सूत्रों के अनुसार प्रस्ताव में जिन अफसरों का नाम थे, उसमें 1992 बैच के अधिकारी पवन देव और अरुण देव गौतम, 1994 बैच के हिमांशु गुप्ता और शिव राम प्रसाद कल्लूरी और 1995 बैच के प्रदीप गुप्ता शामिल हैं।

डीजी पवन देव- विशेष महानिदेशक (पुलिस आवास निगम) हैं।

डीजी अरुण देव गौतम- महानिदेशक (होमगार्ड) के रूप में पदस्थ हैं।

डीजी हिमांशु गुप्ता- प्रदेश के जेल प्रशासन की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

डीजी रैंक के शिव राम प्रसाद कल्लूरी- PHQ में एडीजी (प्रशासन) के पद पर तैनात हैं।

डीजी प्रदीप गुप्ता- (रेलवे और वित्त एवं प्रावधान) के पद पर कार्यरत हैं।

गृह विभाग के विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, जल्द ही इन पांच अधिकारियों के नाम वाले प्रस्ताव को सीएम विष्णुदेव साय के पास भेजा जाएगा।

15 राज्यों की 46 विधानसभा, 2 लोकसभा के नतीजे

वायनाड में प्रियंका 4 लाख+वोटों से जीतीं, एमपी में मंत्री हारे, यूपी की 9 में 7 पर भाजपा गठबंधन जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

15 राज्यों की 46 विधानसभा और 2 लोकसभा (वायनाड, नांदेड़) सीटों पर काउंटिंग पूरी हो चुकी है। वायनाड लोकसभा सीट पर प्रियंका गांधी ने CPI के सत्यन मोकेरी को 4 लाख 10 हजार वोटों से हराया। भाजपा की नव्या हरिदास (1 लाख 9 हजार वोट) तीसरे नंबर पर रहीं।

प्रियंका अपने भाई राहुल के 5 साल पुराने जीत का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाईं। राहुल ने 2019 के लोकसभा चुनाव में CPI (M) के पीपी सुनीर को 4 लाख 31 हजार वोटों के अंतर से हराया था।

महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट पर कांग्रेस के रवींद्र वसंत राव चव्हाण ने भाजपा के संतुक हंबार्डे को 1457 वोट से हराया। यहां आखिरी राउंड की गिनती में देर रात 10 बजे के करीब परिणाम घोषित हुआ।

मध्य प्रदेश की विजयपुर सीट पर कांग्रेस से भाजपा में आए वन मंत्री रामनिवास रावत हार गए। वहीं, उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों में से भाजपा गठबंधन को 7 और सपा को 2 सीटों पर जीत मिली है।

46 सीटों पर भाजपा गठबंधन 24, कांग्रेस 7, TMC 6, सपा 3, AAP 3, CPI-M, नेशनल पीपुल्स पार्टी (NPP) और भारत आदिवासी पार्टी 1-1 सीटों पर आगे चल रही हैं। भाजपा गठबंधन में जेडीयू, हिंदुस्तान अवाम मोर्चा (HAM), असम गण परिषद (AGP), यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी (UPP) और राष्ट्रीय लोक दल (RLD) शामिल हैं।

चुनाव से पहले इन 46 सीटों में से 27 सीटों पर विपक्ष का कब्जा था। इनमें अकेले कांग्रेस के पास 13 सीटें थीं। वहीं, भाजपा की 11 सीटों समेत NDA के पास कुल 17 सीटें थीं। इस तरह से भाजपा गठबंधन को कुल 7 सीटों का फायदा है।

जीत के बाद प्रियंका गांधी का भावुक पोस्ट

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने केरल की वायनाड संसदीय सीट पर हुए उपचुनाव में शानदार जीत दर्ज की। प्रियंका गांधी ने वायनाड की जनता के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आभार व्यक्त किया है। उन्होंने वायनाड के लोगों को अपना बहुमूल्य वोट देने और उनपर भरोसा जताने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने ये भी कहा कि वो हमेशा लोगों की आशाओं और सपनों को समझते हुए संसद में उनकी आवाज बनेंगी।

प्रियंका गांधी ने अपने ट्वीट में लिखा, मेरे प्यारे वायनाड के भाइयों और बहनों, आपने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं आपकी आभारी हूं। मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि समय के साथ, आप वास्तव में महसूस करें कि यह जीत आपकी जीत है और आपने जिस व्यक्ति को अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है, वह आपकी आशाओं और सपनों को समझता है और आपके अपने में से एक के रूप में आपके लिए लड़ता है। मैं संसद में आपकी आवाज बनने के लिए उत्सुक हूं! मुझे यह सम्मान देने के लिए धन्यवाद और उससे भी अधिक प्यार के लिए जो आपने मुझे दिया है। साथ ही उन्होंने UDF के अपने साथियों, केरल के नेताओं, कार्यकर्ताओं और अपने कार्यालय के सहयोगियों का भी आभार व्यक्त किया।

कौन होगा सीएम!

महाराष्ट्र चुनाव नतीजों में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति को बंपर बहुमत मिला है। अकेले भाजपा 125 से ज्यादा सीटें जीत रही है. यानी वह अकेले बहुमत से सिर्फ 20 सीट दूर है। ऐसे में देवेंद्र फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना तय नजर आ रहा है। लेकिन, दिलचस्प होगा यह देखना कि इस जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले एकनाथ शिंदे को सीएम पद के बदले में क्या मिलेगा? दिलचस्प है कि कितना सहज होगा एकनाथ? शिंदे का देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र का सीएम पद सौंपना? दिलचस्प है कि कितना सहज होगा एकनाथ? शिंदे का देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र का सीएम पद सौंपना? महाराष्ट्र चुनाव में भाजपा ऐतिहासिक प्रदर्शन करने जा रही है। पिछले चुनाव में जहां उसने 105 सीटें जीती थीं। इस बार वह 149 सीटों पर चुनाव लड़ी और 125 से ज्यादा सीटों पर जीतती दिख रही है। वहीं, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना 81 सीटों पर चुनाव लड़कर 55 सीटों पर जीत रही है। महायुति की दोनों पार्टियां मिलकर बहुमत का आंकड़ा पार कर चुकी हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री पद के लिए देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे में से किसी एक नाम तय होना है. तो बड़ा सवाल ये है कि वो कौन होगा?

मोदी बोले- महाराष्ट्र ने कुर्सी फर्स्ट को नकारा:डंके की चोट पर कहा- एक हैं तो सेफ हैं, कोई ताकत 370 वापस नहीं ला सकती

नई दिल्ली (एजेंसी)।

महाराष्ट्र चुनाव में बड़ी जीत दर्ज करने के बाद भाजपा मुख्यालय पहुंचे पीएम मोदी ने कहा- महाराष्ट्र देश का 6वां राज्य है जिसने भाजपा को लगातार तीन बार जनादेश दिया है। गोवा, गुजरात, छत्तीसगढ़, हरियाणा और एमपी में हम लगातार तीन बार जीत चुके हैं। बिहार में भी NDA को तीन बार लगातार जनादेश मिला है।

अपने 49 मिनट के भाषण की शुरुआत पीएम मोदी ने जय भवानी, जय शिवाजी के नारे के साथ की और समापन भारत माता की जय और वंदेमातरम से किया।

इससे पहले भाजपा मुख्यालय पहुंचने पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनका स्वागत किया।

जेपी नड्डा ने कहा- आज का दिन ऐतिहासिक है। इसका श्रेय मोदी को जाता है। जनता ने पीएम मोदी की राष्ट्र सेवा पर मुहर लगाई है। महाराष्ट्र की जनता ने 2019 में भी भाजपा को जनादेश दिया था, लेकिन तब उद्धव ठाकरे की सत्ता की लालच ने जनता के आदेश का अपमान किया था।

महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन एकतरफा जीत मिली है। वहीं, कांग्रेस गठबंधन 60 से कम सीटों पर सिमट रहा है।

हालांकि, झारखंड झामुमो गठबंधन बढ़त बनाए हुए है। भाजपा गठबंधन पीछे है।

अमेरिकी SEC ने गौतम और सागर अडाणी को समन भेजा

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली (एजेंसी)।

अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी और उनके भतीजे सागर अडाणी को अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड कमीशन ने शनिवार को समन भेजा है। अमेरिकी SEC ने अडाणी को उन पर लगे रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोपों पर अपना रुख स्पष्ट करने के लिए तलब किया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, अडाणी के अहमदाबाद स्थित शांतिवन फार्म हाउस और उनके भतीजे सागर के उसी शहर में बोदकदेव रेजीडेंसी पर 21 दिन के अंदर SEC को जवाब देने के लिए समन भेजा है। न्यूयॉर्क ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के माध्यम से भेजे गए नोटिस में कहा गया है कि इस समन की तामील के 21 दिनों के अंदर (जिस दिन आपको यह समन मिला, उसे छोड़कर) आपको वादी को अटैच्ड शिकायत का जवाब देना होगा या फेडरल रूल्स ऑफ सिविल प्रोसीजर के नियम 12 के तहत एक मोशन सर्व करना होगा। अगर जवाब देने में विफल रहते हैं, तो शिकायत में मांगी गई राहत के लिए अडाणी के खिलाफ फैसला लिया जाएगा। जवाब अदालत में दाखिल करना होगा। अडाणी ग्रीन एनर्जी गुजरात के खावड़ा में एक ही जगह पर 30 हजार मेगावाट क्षमता का सोलर प्लांट लगा रही है।

धनेंद्र साहू बोले-धान बेचने मुझे नहीं मिल रहा टोकन, कहा- 5 दिन से भटक रहे किसान, 9-10 दिसंबर तक टोकन का कोटा पूरा

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ में 14 नवंबर से धान खरीदी शुरू हुई है। सरकार कह रही है कि, बंपर खरीदी चल रही है, लेकिन कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धनेंद्र साहू का कहना है कि, पिछले 4-5 दिनों से वो और उनका परिवार धान बेचने टोकन के लिए भटक रहा है। अब तक उन्हें टोकन नहीं मिल पाया है। धनेंद्र साहू ने दावा किया है कि 9-10 दिसंबर तक के लिए टोकन का कोटा पूरा बताया जा रहा है।

किसानों को टोकन नहीं मिल रहा है। उन्हें परेशानियों का सामना करना पकड़ रहा है। मेरा तो सिर्फ उदाहरण है। इसलिए सरकार को रोजाना लिमिट बढ़ाना चाहिए।

धारदार चट्टान, ले सकती हैं जान..इसलिए रहें सावधान

देवपहरी, परसखोला,केंदई, फुटहामुड़ा पिकनिक स्पॉट में जरूरी है एहतियात बरतना

विशेष-लेख-कमलज्योति
कोरबा (दिव्य आकाश)।

उगते सूरज के समय बिखरती सूरज की किरणे हो या फिर अस्त होने के समय सुनहरी रोशनी और बादलों के बीच झिलमिलाती किरणे। बहते पानी में आधा बाहर तो आधा भीतर की ओर डूबा चट्टान जब बाहर से चमकता हुआ दिखाई देता है तो यह देखने वालों को बरबस ही अपनी ओर खींच लेता है। पानी की धार से तराशे गए इन चट्टानों में सूरज निकलने से लेकर सूरज के डूबने तक चमक ही नहीं होती, नुकीले और धारदार चट्टान कई स्थानों पर किसी को काटने, खरोंच पहुंचाने से लेकर उन्हें अपनी गुफानुमा जगहों में कैद करने की क्षमता भी रखती है। बेशक यह कोरबा जिले का प्रसिद्ध पिकनिक स्पॉट देवपहरी, परसखोला, फुटहामुड़ा ही है, जो अपनी खूबसूरती तथा आसपास के मनोरम दृश्य के लिए सभी को अपनी ओर आकर्षित करती है।

पर्यटन और सैर सपाटे के इस मौसम में हल्की ठण्ड, चटक धूप के साथ मनोरम दृश्य हमें मजबूर करते हैं कि हम भी मस्ती और मनोरंजन के लिए परिवार तथा दोस्तों के साथ इन जगहों में जाएं। चूल्हा बनाकर आग जलाये, पसंद का खाना बनाये और आसपास के खूबसूरत सा नजारों को देखकर कुछ गाते,गुनगुनाते, नाचते हुए हमेशा के लिए अपनी यादगार तस्वीर कैमरों में कैद करें। मस्ती और मनोरंजन की यह ख्वाहिश यादगार लम्हों में तब तक कैद होती है, जब तक हम ऐसे स्थानों पर सुरक्षित जाये और सुरक्षित लौट आए, वर्ना जरा सी असावधानी और लापरवाही हमें कभी न भूल पाने वाली वह गम दे जाती है, जो किसी के मस्ती और मनोरंजन के समय बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए। कुछ ऐसा ही हादसा जिले के इस देवपहरी जलप्रपात, परसखोला और बालको के फुटहामुड़ा पिकनिक स्पॉट पर बीते माह सिलसिलेवार घटित हुआ। आपस में तय कर नाबालिग छात्र यहां चले तो आए, किसी अनहोनी या हादसों की परवाह किए बगैर पानी में उतरकर नहाने लगे। दूर-दूर तक फैले हुए खतरनाक चट्टानों में पानी कितना है और खतरा कितना है ? इसकी परवाह किए बिना पानी में उतरना उनके लिए मस्ती या मनोरंजन नहीं बल्कि मौत साबित हुआ। जिले में ऐसी कुछ घटनाएं भी है, जिसमे आपस में मस्ती करते हुए और एक दूसरे को पानी में उतरने-कूदने के चैलेज करते हुए छात्र सूझबूझ से काम नहीं लेते और जोखिमों के बीच पानी में उतर जाते हैं। इन स्थानों में छात्र पानी में बह चुके हैं। चीखते चिल्लाते और देखते ही देखते पानी में समाहित होकर लापता हुए छात्रों को उनके दोस्त भी बचा नहीं पाए, क्योंकि ऐसे हादसों के वक्त डरना, सहमना लाजिमी है और सूझबूझ के साथ कोई उपाय भी दिमाग में नहीं आ पाता। जिला प्रशासन द्वारा महत्वपूर्ण पिकनिक स्थलों पर सावधानी बरतने संबंधी बोर्ड भी लगाये जाते हैं लेकिन मस्ती में चूर अनेक लोग ऐसे सूचनाओं का अनदेखी कर खतरनाक स्थानों पर चले जाते हैं। हादसे की सूचना पर अलर्ट प्रशासन और पुलिस, नगर सेना, एसडीआरएफ तथा ग्रामीणों ने रेस्क्यू कर पूरी कोशिश करते हैं लेकिन मस्ती और लापरवाही की वजह से तत्काल किसी को मौत के मुंह से खीच लाना सम्भव नहीं हो पाता, क्योंकि देरी से सूचना मिलने, अंधेरा हो जाने,पानी का स्तर बढ़ जाने और अटपटे चट्टानों से रेस्क्यू में रोड़ा इन स्थानों पर हुए हादसों का परिणाम आखिरकार जिंदगी के उम्मीदों के बीच नदी के पानी और चमकते चट्टानों के खोह से सिर्फ लाशे ही निकली है। ऐसे हादसों में किसी परिवार का एकलौता चिराग बुझ गया तो किसी परिवार में सबसे बड़ी उम्मीदें भी बिखर गई। खैर अब जो होना था सो हो गया। इसे लापरवाही कहें, हादसा या चूक कहें, लेकिन आगे किसी के साथ ऐसे हादसे न हों, इस दिशा में सतर्क होना भी जरूरी है। जिले में कई ऐसे पिकनिक स्पॉट है और इन पिकनिक स्पॉट के खूबसूरत नजारे आपको आकर्षित जरूर करेंगे। देवपहरी का पिकनिक स्पॉट जलप्रपात की वजह से सभी को आने के लिए मजबूर करती है। बड़े-बड़े चट्टानों से होकर पानी बहती तो है लेकिन यह खतरनाक भी है और यहाँ तेज गति से बहती पानी की धारा को छूना,बिना सतर्कता के साथ चट्टानों में चलना आपके लिए जोखिम भरा हो सकता है,क्योंकि यहाँ मौजूद भारी भरकम चट्टानों में सिर्फ चमक ही नहीं है, तेज फिसलन भी है, जिसमे असावधानीवश चलकर और गिरकर आप अपनी हड्डियां भी तुड़वा सकते हैं। बालको क्षेत्र के परसखोला, फुटहामुड़ा के जलप्रपात और पिकनिक स्पॉट में उतरकर चट्टानों में जाने और फंसकर फिसल जाने का खतरा है। जगह-जगह मौजूद चट्टानें आपको कभी भी हादसों का शिकार बना सकते हैं, इसलिए कोशिश करिये कि आपके बच्चे ऐसी जगहों में न जाए, उसके लिए सचेत रहे। ऐसी जगहों में कुछ सुरक्षा के इंतजाम व सावधानी और सतर्कता आपके खतरे को टालने में बहुत हद तक मददगार बन सकते हैं।

पंछियों की कलरव सुने,कलकल बहती पानी की आवाजें सुने...

आप जहां भी पिकनिक स्पॉट देखने जाए तो आसपास के मनोरम दृश्य को देखे। शांत वातावरण में कलकल, झर-झर बहती पानी की आवाज तो उनकी तरंगों को सुने, बादलों के साथ नीले आसमानों की पानी में बनती तस्वीरों को देखे, चमकते चट्टानों को हीरे के चमक के रूप में दूर से देखे। पक्षियों की चहचहाहट, कलरव को सुने। दूर तक फैले रेत में नंगे पांव चले। गुनगुनी धूप का आंनद लें और कभी धूप लगने पर पेड़ों की छांव में बैठकर देखे। कुछ देर खुद को यहां चलती हवाओं के साथ महसूस करके देखेंगे तो नि:संदेह प्रकृति का अनुपम दृश्य आपकों भावविभोर कर देंगे। प्रकृति ने नदी व पहाड़, झरने, जंगल का मनोरम दृश्य आपके हृदय में खूबसूरती और सुकून का भाव उत्पन्न करने के लिए दिए हैं, न कि ऐसे जगहों में जाकर जोखिम लेने और जिंदगी गंवा देने के लिए दिए हैं।

घर का सूरज जैसे काले बादलों में खो गया...

कुछ युवा मित्रों के साथ बालको के गहनिया पिकनिक स्पॉट में गए सूरज दास ने देखा देखी में पानी में छलांग लगा दी। पानी में नुकीले चट्टान से उसके सिर पर गहरा चोट लगा। अचानक बेसुध हुए सूरज को किसी तरह अस्पताल लाया गया। गरीब परिवार अपने बेटे के इलाज के लिए अस्पताल तक दौड़ लगाते रहे। मस्तिष्क में चोट लगने से याददाश्त और रीढ़ की हड्डी में खिंचाव की वजह से वह कई साल तक व्हीलचेयर में ही रहा। लगभग 6 फीट का हष्टपुष्ट युवा सूरज ने जरा सी गलती कर न सिर्फ खुद की अच्छी खासी जिंदगी बर्बाद कर ली अपितु अपने गरीब माता-पिता के लिए भी अनेक मुश्किलें खड़ी कर दी..। जुलाई 2023 में एक शिक्षक देवपहरी में डूब गया। अप्रैल और अक्टूबर 24 में परसखोला में नाबालिग छात्र पानी में छलांग लगाकर वापस जिंदा नहीं लौटे। निर्मला स्कूल का नाबालिग छात्र फुटहामुड़ा में पानी और सुरंगनुमा पत्थरो के बीच समा गया। इन घटनाओं से यह भी सीख मिलती है कि शिक्षक हो या छात्र,सभी के लिए जरा सी चूक या लापरवाही उनकी जान ले सकती है।

अनावश्यक पानी में न उतरे, दृश्य निहारे और लौट आएं -

देवपहरी, परसखोला, फुटहामुड़ा, केंदई, सतरेंगा, नकिया जैसे स्थानों पर पानी का भराव, पत्थरो की खतरनाक श्रृंखला है,यहाँ मुझे तैरना आता है यह सोच कर पानी में बिल्कुल भी न उतरे। सैर सपाटे के लिए पहुँचने के पश्चात आसपास के मनोरम दृश्यों को निहारे,कैमरे में इन दृश्यों को कैद कर खुद की भी तस्वीर ले लेकिन पानी में उतर कर नहाने का साहस न करें। आप बहुत ही सावधानी से वाहन चलाते हुए ऐसे स्थानों पर जाए। शराब का सेवन न करे और पिकनिक मनाने आने पर यहाँ गंदगी न फैलाए। पिकनिक जाने के दौरान अपने साथ एहतियात के तौर पर रस्सी, टॉर्च और अन्य सुरक्षा उपकरण भी अवश्य रखे। कोशिश करें कि आप दिन के उजाले में घर से बाहर निकले और अंधेरा होने से पहले ही लौट आएं।

पढाई में कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान देवें शिक्षक- कलेक्टर अजीत वसंत

कलेक्टर ने कहा - अतिथि शिक्षकों के मानदेय में होगी वृद्धि

सभी शिक्षकों को 80 प्रतिशत से अधिक परीक्षा परिणाम लाने का प्रयास करने के दिए निर्देश
कोरबा (दिव्य आकाश)।

कलेक्टर अजीत वसंत ने हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल की बोर्ड परीक्षा में बच्चों के परीक्षा परिणाम में सुधार लाने के लिए कला संकाय विषय के व्याख्याताओं की समीक्षा बैठक शनिवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में ली। उन्होने शिक्षकों को निर्देश दिए कि पढ़ाई में कमजोर बच्चों के शैक्षणिक विकास के लिए उन पर विशेष ध्यान देकर अध्यापन कार्य करें। बच्चों को स्कूल में नियमित आने तथा पढ़ाई में निरंतरता बनाने के लिए प्रेरित करें। उनके लिए अतिरिक्त कक्षाएं लगायें। ब्लैक बोर्ड पर लिखने का अभ्यास करायें। परीक्षा की तैयारी की दृष्टि से गृह कार्य में प्रश्नोत्तर लिखा कर रिवीजन करायें।

कलेक्टर ने बच्चों के शैक्षणिक विकास एवं परीक्षा परिणाम में सुधार के लिए विद्यालयवार एवं व्याख्याताओं के विषयवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिए कि विगत वर्ष के परीक्षा परिणामों को ध्यान में रखकर शिक्षक मेहनत करें और इस वर्ष उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम लाने के प्रयास करें। उन्होंने कहा कि बच्चों की कमजोरियां बताने से अच्छा उनकी कमजोरी दूर करना है। कलेक्टर ने निर्देश दिया कि प्रत्येक विद्यालय के शिक्षक अपने विषयों में 80 प्रतिशत से अधिक परीक्षा परिणाम लाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं के दृष्टिगत शिक्षकों के द्वारा बच्चों की लिखावट की गति एवं शुद्धता पर ध्यान दिया जाये। शिक्षक का मुख्य कार्य अध्यापन कार्य होता है। बच्चों को पढ़ाकर ही आगे बढ़ाया जा सकता है। कलेक्टर ने कहा कि विद्यालयों में अनुशासनहीनता करने वाले शिक्षकों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को विद्यालयों का सतत मानिटरिंग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि डीएमएफ मद से विद्यालयों में नियुक्त अतिथि व्याख्याताओं की निरंतरता उनके विषयों की परीक्षा परिणाम के आधार पर की जायेगी। उन्होंने कहा कि अतिथि व्याख्याताओं का उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर मानदेय में वृद्धि भी की जायेगी। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षक बच्चों के सामाजिक एवं आर्थिक परिवेश को ध्यान में रखकर बच्चों को शिक्षित करने के साथ ही साथ पालक की भी भूमिका निभाएं। बैठक में जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, जिला शिक्षा अधिकारी टी.पी.उपाध्याय, सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी, कला संकाय के व्याख्याता एवं अतिथि व्याख्याता उपस्थित थे।

पर्यटन स्थल पर करें मस्ती, लेकिन सावधानी जरूर बरतें।

दिव्य आकाश

सुविचार

छोटे-बड़े का भेद कभी न करें, क्योंकि कभी-कभी सुई काम आती है, तलवार नहीं...।

कोरबा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 15 से 28 नवंबर 2024

कृषि मंत्री रामविचार नेताम खतरे से बाहर

रायपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ सरकार के कृषि मंत्री रामविचार नेताम शुक्रवार को सड़क हादसे में घायल हो गए थे। अस्पताल में उनका ईलाज जारी है और खतरे से बाहर बताए गए हैं। हादसा रायपुर-बेमेतरा मार्ग पर जेवरा गांव के पास हुआ। गंभीर हालत में मंत्री राम विचार नेताम को रायपुर लाया गया है। उन्हें पचपेड़ी नाका स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समेत कई मंत्रियों ने अस्पताल पहुंचकर उनका हाल जाना।

छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड से 2 लोगों की मौत

अंबिकापुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ में गुलाबी ठंड ने दस्तक दे दी है। आने वाले चार-पांच दिनों 4 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। वहीं कड़ाके की ठंड के बीच 2 लोगों की मौत हो गई। पहली मौत अंबिकापुर में शुक्रवार और दूसरी मौत बिलासपुर में हुई है। वहीं मैनपाट 6 डिग्री के साथ सबसे ठंडा और दुर्ग 30.4 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। मौसम विभाग ने मुताबिक उत्तर से आने वाली ठंडी हवाओं के चलते अगले 24 घंटों में बलरामपुर, कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, सरगुजा समेत 5 जिलों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है।वहीं इस महीने के अंत तक रायपुर का तापमान 14 डिग्री तक पहुंचने के आसार हैं।

दिल्ली में प्रदूषण फिर गंभीर AQI-467 पर पहुंचा

पर्यावरण मंत्री चीफ सेक्रेटरी से बोले- प्रतिबंधों का सख्ती से पालन हो, पर्सनली मॉनिटर करें

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली फिर गैस चैंबर में तब्दील हो गई। शनिवार सुबह 6 बजे भी दिल्ली के 9 इलाकों में प्रदूषण गंभीर कैटेगिरी में रिकॉर्ड किया गया। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के मुताबिक, दिल्ली के वजीरपुर में हवा सबसे ज्यादा जहरीली है। यहां का AQI 467 दर्ज किया गया। वहीं, दिल्ली का औसत AQI 419 रिकॉर्ड किया गया।

बढ़ते प्रदूषण को लेकर दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली के चीफ सेक्रेटरी को GRAP-4 के प्रतिबंध सख्ती से लागू कराने के लिए पत्र लिखा। उन्होंने कहा कि चीफ सेकेटरी को पर्सनल लेवल पर मॉनिटरिंग करनी चाहिए। पत्र में उन्होंने लिखा- दिल्ली के सभी विभागों को GRAP-4 को लेकर रोज रिपोर्ट जारी करनी चाहिए। इससे उन इलाकों की पहचान करने में मदद मिलेगी, जहां ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। मौसम विभाग ने प्रदूषण को लेकर मैप जारी किया है। इसमें बताया गया है कि दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में प्रदूषण गंभीर कैटेगरी में है। उधर, ट्रकों की एंट्री रोक न पाने पर दिल्ली सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को फटकार लगाई थी। इसके बाद दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय शुक्रवार देर रात सिंघु बॉर्डर पहुंचे और ट्रकों को रोका जा रहा है या नहीं, इसकी जांच की। गोपाल राय ने बताया कि हर दिन 135 से 165 ट्रक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं।

क्या आईपीएल ऑक्शन में टूटेगा 30 करोड़ का बैरियर-पंत, राहुल जैसे प्लेयर उतरेंगे, सबसे महंगे स्टार्क पर भी बोली लगेगी, नीलामी 24-25 को

नई दिल्ली, एजेंसी।

आईपीएल 2025 का मेगा ऑक्शन 24 और 25 नवंबर को होगा। इवेंट सऊदी अरब के जेद्दा में है। ऑक्शन में 577 खिलाड़ी हैं, हालांकि 10 टीमों में 204 प्लेयर्स की ही जगह खाली है। ऋषभ पंत, केएल राहुल और ग्लेन मैक्सवेल जैसे बड़े नाम भी नीलामी में उतरेंगे, जिनके लिए टीमें 20 से 30 करोड़ रुपए भी खर्च कर सकती हैं।

पिछले ऑक्शन में ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क सबसे महंगे रहे थे। उन्हें 24.75 करोड़ रुपए में कोलकाता ने खरीदा था। स्टार्क भी इस बार नीलामी में होंगे। उनके साथ अर्शदीप सिंह, सैम करन और मोहम्मद शमी जैसे गेंदबाजों पर भी 15 से 20 करोड़ रुपए की बोली लग सकती है।

मेगा ऑक्शन में कभी 16 करोड़ रुपए की बोली नहीं लगी

आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी मिनी ऑक्शन में ही सामने आए। टूर्नामेंट इतिहास में 5 मेगा ऑक्शन हुए और कभी भी बोली 16 करोड़ रुपए को छू नहीं सकी। 2022 में ईशान किशन 15.25 करोड़ और 2011 में गौतम गंभीर 14.9 करोड़ रुपए में बिके थे। दोनों मेगा ऑक्शन के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। इनके अलावा बाकी 3 मेगा ऑक्शन में सबसे बड़ी बोली 12 और 14 करोड़ रुपए तक ही पहुंची।

नक्सलियों ने सचिव और ग्रामीण को कुल्हाड़ी से काट डाला

किडनैप कर छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर की हत्या, पर्चे में लिखा- दोनों मुखबिर थे

जगदलपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर नक्सलियों ने 2 लोगों की हत्या कर दी। पंचायत सचिव और एक ग्रामीण को कुल्हाड़ी से काटकर मार डाला। बताया जा रहा है कि दोनों को घर से किडनैप कर ले गए थे। नक्सलियों ने पर्चा जारी कर दोनों पर पुलिस के लिए काम करने का आरोप लगाया है। मामला तेलंगाना के मुलुगु जिले का है।

करीब 10-15 की संख्या में हथियारबंद नक्सली पेरूर गांव पहुंचे थे। उन्होंने गांव के पंचायत सचिव उइका रमेश और एक ग्रामीण उइका अर्जुन को घर से उठा लिया। इसके बाद दोनों को गांव से बाहर लेकर गए। दोनों पर पुलिस की मुखबिरी करने का आरोप हत्या की है।

वारदात के बाद पहुंची पुलिस

वारदात के बाद दोनों के शवों को मौके पर ही छोड़कर नक्सली जंगल की तरफ भाग निकले। वहीं जब इसकी खबर पुलिस को मिली तो जवान मौके के लिए निकले। दोनों के शवों को बरामद किया गया है। वहीं पुलिस उस इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रही है।

पर्चा जारी कर ली हत्या की जिम्मेदारी

वारदात के बाद नक्सलियों की वाजेदु वेंकटपुरम क्षेत्र की सचिव शांता ने पर्चा जारी किया है। पर्चा में लिखा है कि ये दोनों पुलिस के लिए काम कर रहे थे। पुलिस के मुखबिर बन गए थे। पिछले कुछ साल से माओवादियों की गतिविधि की जानकारी पुलिस को दे रहे थे। यही वजह थी कि दोनों को मौत की सजा दी गई।

7वीं के छात्र का मर्डर:2 स्टूडेंट्स से पूछताछ, एक ने लगा ली फांसी

कोरिया, एजेंसी। कोरिया जिले में 7वीं के छात्र अमन सिंह का गला काटकर मर्डर कर दिया गया। छात्र के सिर पर भी गहरे चोट के निशान मिले हैं। बताया जा रहा है कि पिछले 4 दिन से लापता था। जंगल में उसकी लाश मिली है। मौके से चाकू भी मिला है। मामला पटना थाना क्षेत्र के चंपाझर का है। ? पुलिस ने मर्डर केस में 2 छात्रों को पूछताछ के लिए पटना थाने बुलाया था। पूछताछ के बाद उसमें से एक 14 वर्षीय छात्र परमेश्वर सिंह ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली।

रायपुर दक्षिण उपचुनाव में सुनील सोनी की बड़ी जीत

46 हजार से अधिक वोटों से आकाश को हराया; धनेंद्र साहू बोले- जनता को पैसा चाहिए

रायपुर, एजेंसी।

रायपुर दक्षिण उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी ने बड़ी जीत दर्ज की है। सुनील सोनी ने कांग्रेस के आकाश शर्मा को 46,167 वोटों से हरा दिया है। सुनील सोनी को कुल 89,220 वोट मिले हैं। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा के पक्ष में 43,053 वोट पड़े हैं। पोस्टल बैलेट से भाजपा को 161 और कांग्रेस को 76 वोट मिले।

महापौर एजाज ढेबर और प्रमोद दुबे के वार्ड में भी भाजपा को लीड मिली। बीजेपी में जहां जश्न का माहौल है वहीं कांग्रेस भवन में सन्नाटा है। इस पर कांग्रेस नेता धनेंद्र साहू बोले- जनता को पैसा चाहिए।तस्वीर पहले राउंड से ही साफ हो गई थी। सुनील सोनी निर्णायक बढ़त की तरफ बढ़ रहे थे। बिल्कुल टक्कर की स्थिति नहीं दिख रही थी। हर राउंड में भाजपा आगे रही। वहीं आकाश शर्मा हर राउंड में पीछे रहे।

सूरजपुर, बलरामपुर, बलौदाबाजार, कवर्धा कांड का उपचुनाव पर नहीं पड़ा असर

जिस वक्त छत्तीसगढ़ में उपचुनाव हो रहे थे, ठीक उससे पहले पूरे प्रदेश में कांग्रेस के बड़े मुद्दे थे। इस पर उन्होंने सवाल भी उठाए लेकिन रायपुर दक्षिण में बृजमोहन अग्रवाल के नाम और भारतीय जनता पार्टी के निशान ने फिर काम कर दिया।

सूरजपुर कांड, बलरामपुर कांड, बलौदाबाजार कांड, कवर्धा कांड समेत कई स्थानों पर कानून को लेकर कांग्रेस ने सवाल खड़े किए। रायपुर में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति बहुत खराब होने का मुद्दा उठाया, लेकिन कोई खास फर्क नहीं पड़ा।

कटघोरा में एनकेएच मल्टीस्पेश्यालिटी हॉस्पिटल का शुभारंभ

विधायक पटेल ने कहा - स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एनकेएच की सेवाएं बेहतर, कटघोरा क्षेत्र को भी मिलेगी मल्टीस्पेशलिटी सुविधा

कोरबा/ कटघोरा (दिव्य आकाश)।

गत 18 नवंबर को शुभ घड़ी में कोरबा जिलावासियों को बेहतर और महानगरीय तर्ज पर उपचार सुविधा उपलब्ध करा रहे एनकेएच ग्रुप द्वारा एनकेएच, मल्टीस्पेश्यालिटी हॉस्पिटल (कटघोरा) का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि रहे कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने कहा कि दर्द से कराहते किसी मरीज को चिकित्सा प्रदान कर राहत देने के पुनीत कार्य की तुलना किसी और सेवा से नहीं की जा सकती। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एनकेएच की सेवाएं कोरबा ही नहीं, आस-पास के क्षेत्र व पूरे प्रदेश में पिछले एक दशक से सर्वोत्तम का पर्याय बन चुकी है। विश्वास के उस रिश्ते को एक कदम आगे बढ़ाते हुए अब कटघोरा में भी एनकेएच ग्रुप के मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की चिकित्सा सेवाओं का लाभ क्षेत्र के लोगों को मिल सकेगा।

सोमवार को पुराना कटघोरा-बिलासपुर मार्ग में कटघोरा ब्रांच मल्टीस्पेश्यालिटी हॉस्पिटल का शुभारंभ कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर नगर पालिका कटघोरा के अध्यक्ष रतन मित्तल, उपाध्यक्ष बजरंग पटेल, कुलदीप मरकाम, ललिता डिक्सेना, मंडल अध्यक्ष धन्नू दुबे, ममता अग्रवाल, आत्मा नारायण पटेल, अर्चना अग्रवाल, मुरली साहू, पवन अग्रवाल, डॉ. शेख इश्तियाक, अशोक चवलानी सहित कटघोरा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कटघोरा विधायक श्री पटेल ने कहा कि चिकित्सा सेवा की तुलना किसी दूसरी सेवा से नहीं की जा सकती। धरती पर चिकित्सक को भगवान का दर्जा दिया गया है, जो मरीज के प्राण की रक्षा करता है, उन्हें स्वस्थ करता है। कटघोरा जैसे विशाल क्षेत्र और इसके आसपास के लोगों के लिए एक मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी, जिसे आज पूरा किया गया है। इसके लिए मैं एनकेएच परिवार को बधाई देता हूं और उनसे उम्मीद करता हूं कि एनकेएच अस्पताल का परिवार अपनी बेहतर सेवाओं से इस क्षेत्र के लोगों को भी लाभान्वित करेगा। चूँकि यह नेशनल हाईवे से लगा हुआ पूरा क्षेत्र है और आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं, इनमें घायल, गंभीर रूप से घायल मरीजों को समय पर उपचार की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त और भी गंभीर मामलों में मरीजों को जिले से बाहर दूसरे बड़े अस्पतालों में रेफर करना पड़ता है। कटघोरा में मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल की सुविधा मिल जाने से इस तरह की नौबत कम आएगी और समय रहते उपचार मिलने से प्राण की रक्षा हो सकेगी। श्री पटेल ने एनकेएच के डायरेक्टर डॉ. एस चंदानी सहित क्षेत्रवासियों को पुनः बधाई दी। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को शाल श्रीफल से सम्मानित किया गया।

लंबे से महसूस की जा रही थी जरुरत, आज पूरी हुई, पाली व पोड़ी-उपरोड़ा भी होंगे कव्हर

कटघोरा में एनकेएच हॉस्पिटल प्रारंभ हो जाने से कटघोरा सहित इसके आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को नजदीक में ही हर तरह की बेहतर चिकित्सा सुविधा एक ही छत के नीचे मिल सकेगी। अक्सर देखा गया है कि कटघोरा से लेकर जिले के दूरस्थ इलाके से मरीजों को जिला मुख्यालय तक आने में काफी समय लग जाता है। इस बीच उन्हें जो त्वरित उपचार लाभ मिलना चाहिए, वह बाधित होता है। इस तरह की समस्या के मद्देनजर अब कटघोरा में भी जो पाली, पोड़ी-उपरोड़ा व आसपास के लोगों के लिए एक केंद्र बिंदु भी है, यहां सर्वसुविधायुक्त मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल की ब्रांच प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया।

चैबीस घंटे और सातों दिन एक छत के नीचे मिलेंगी यह सुविधाएं

एनकेएच, मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की शाखा कटघोरा में शुभारंभ होने के बाद क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि निजी क्षेत्र से मिली है। एनकेएच, मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल कटघोरा में स्त्री एवं प्रसूति, जनरल सर्जन, जनरल मेडिसिन, शिशु रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ सहित अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों को एक छत के नीचे 24 घंटे सातों दिन रोगियों की सेवा के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। इमरजेंसी सेवा भी यहां उपलब्ध रहेगी। बहुत जल्द ही इस अस्पताल में कई अन्य आधुनिक चिकित्सीय सुविधाएं भी उपलब्ध हो जाएंगी। कटघोरा में अत्याधुनिक और मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की सुविधा होने से स्वास्थ्य के क्षेत्र में कटघोरा भी एक बड़ा नाम हो जाएगा। इस हॉस्पिटल से एक बड़ी आबादी को लाभ मिलेगा।

एनकेएच ने अमूल्य जिंदगी बचाने की कठिनाइयों को हराकर जीता विश्वास - डॉ एस चंदानी

हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी ने कहा कि वे पिछले 20 वर्षों से भी अधिक समय से रोगियों की सेवा में लगे हैं। दुर्घटना के दौरान हड्डी के साथ सिर में गंभीर चोट होने पर मरीज को बिलासपुर या रायपुर भेजा जाता था। दिल का दौरा पड़ने से समय पर उपचार नहीं मिलने के कारण कई मरीज दम तोड़ देते थे। वक्त और जरुरी सुविधाओं के अभाव में उस दौर में हारने को मजबूर अमूल्य जीवन को बचाने कुछ करने का संकल्प लिया और उन कठिनाइयों को हराकर एनकेएच ने मरीजों का विश्वास जीता है। अब कोरबा में ही हृदय रोग के उपचार के सुविधा, जांच व ऑपरेशन की सुविधा मिल जाने से काफी लाभ शहर व जिला वासियों को मिल रहा है। मरीजों की इलाज के अभाव में असामयिक मौत न हो, इस उद्देश्य से एनकेएच ग्रुप द्वारा कोरबा सुपरस्पेशलिटी (एनएबीएच से मान्यता प्राप्त) के साथ-साथ चाम्पा, जमनीपाली व बालको के बाद अब कटघोरा में हॉस्पिटल की शुरूआत की गई है।

सुविचार

रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए कभी-कभी झुक जाना सबसे बेहतर विकल्प होता है।

भ्रष्ट प्रणाली

अदानी की बढ़ती मुश्किलें

भारत के उद्योगपति गौतम अदानी की मुश्किलें बढ़ सकती है। अमेरिका के निवेशकों के पैसे को भारतीय अधिकारियों को घूस देने के भ्रष्टाचार में लगा दिया,जिसके कारण अदानी समूह के चेयरमैन गौतम अदानी पर अमेरिका में अभियोग चलेगा। अमेरिका ने अदानी के प्रत्यर्पण की मांग की है और अमेरिकी अदालत में अदानी को पेश किया जा सकता है। अदानी पर आरोप है कि अमेरिकी निवेशकों के पैसों से भारत में 2200 करोड़ रूपए घूस के रूप में अधिकारियों को दिए हैं। अमेरिका की फेडरल कोर्ट में अदानी के खिलाफ अभियोग दर्ज किया गया है, उधर सेबी ने भी जांच प्रारंभ कर दी है और कहा है कि क्या अदानी समूह ने बाजार को प्रभावित करने वाली जानकारी का खुलासा करने के नियमों का उल्लंघन किया है। सेबी ने अदानी समूह से स्पष्टीकरण भी मांगा है। सेबी ने केन्या में एयरपेर्ट विस्तार की डील रद्द किये जाने और अमेरिका में अभियोजन को लेकर समूह से जवाब तलब किया है। उधर भारतीय बैंकों ने अदानी समूह को नए कर्ज देना बंद करने पर भी निर्णय ले सकती हैं। इस तरह गौतम अदानी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। यदि प्रत्यर्पण हुआ तो अदानी अमेरिका में गिरफ्तार भी किये जा सकते हैं।

संपादक

चिंता:कोचिंग सेंटरों का कैरियर उत्पाद और बच्चों के आत्मघाती कदम

आज देश में स्कूलों एवं कालेजों की शिक्षा प्रणाली किस तरह से दिव्यांग हो गई है कि अभिभावकों को अपने बच्चों के बेहतर कैरियर के लिए कोचिंग सेंटरों का सहारा लेना पड़ रहा है। आज देश भर में कोचिंग सेंटर बच्चों के कैरियर बनाने के नाम पर लूट सेंटर के रूप में कुकुरमुत्ते की तरह गली-गली खुलते जा रहे हैं। कोचिंग सेंटरों में बच्चों का कैरियर बने या ना बनें, लेकिन कोचिंग सेंटर संचालकों को बिजनेस का सबसे बढ़िया तरीका जरूर मिल गया है।

कोचिंग सेंटरों में बच्चों को भेड़-बकरियों की तरह ठूंसे जा रहे हैं और मोटी फीस वसूल कर प्रताड़ित भी कर रहे हैं। बीते कुछ महीनों में देश के नामी गिरामी कोचिंग सेंटरों में जो हादसा हुए, उसके बाद भी अभिभावक कोचिंग सेंटरों में अपने बच्चों को भेज रहे हैं। यह चिंतन का विषय है कि आखिर स्कूल-कालेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को कोचिंग सेंटरों का सहारा क्यों लेना पड़ रहा है। क्या हमारी शिक्षा प्रणाली अभी भी दिव्यांग की तरह हिचकोले खा रही है ? यदि नहीं तो आखिर क्यों देश भर में कुकुरमुत्ते की तरह कैरियर बनाने की फैक्ट्रियां खुलती जा रही हैं। कोचिंग सेंटरों में सरकार का खास नियम नहीं होने के कारण बच्चों को भेड़-बकरियों की तरह ठूंसे जा रहे हैं। कैरियर बने या ना बने, लेकिन अभिभावक और बच्चे प्रताड़ित होकर आत्मघाती कदम उठाने पर मजबूर हो रहे हैं। यदि सरकार इस तरह के हादसों के लिए जिम्मेदार कोचिंग सेंटर संचालकों पर लगाम नहीं लगाया, तो कोचिंग सेंटरों में मनमानी जारी रहेगी और लूट खसोट का धंधा लगातार जारी रह सकता है।

खुद सलेक्ट नहीं होते और खोल लिए आईएएस-आईपीएस- आईएफएस बनाने की फैक्ट्री

कोचिंग सेंटरों का व्यवसाय आज देश में बड़ा रूप लेता जा रहा है। सेवा के नाम पर व्यवसाय करने वाले अधिकांश लोग आईएएस, आईपीएस, आईएफएस जैसे महत्वपूर्ण फैकल्टी में स्वयं योग्य नहीं उतरते और ऐसे लोग इन महत्वपूर्ण फैकल्टी के लिए कोचिंग सेंटर खोल लिए हैं।

यह चिंतन का विषय है कि जो लोग यूपीएसई, स्टेट पीएससी, रेलवे, आईआईटी, आईआईआईटी, मेडिकल सेक्टर में पास ना होने वाले लोग आज इस तरह के कोचिंग सेंटर चलाकर बच्चों और अभिभावकों को गुमराह कर रहे हैं। आनंद कुमार जैसे विद्वतजनों को छोड़ दें तो देश के अधिकांश कोचिंग सेंटर फेलवर लोगों के लिए अवैध व्यवसाय से बड़ी कमाई का जरिया बन चुका है।

आखिर बच्चे क्यों उठा रहे हैं आत्मघाती कदम ?

यह चिंतन का विषय है कि बच्चे नामी गिरामी कोचिंग सेंटर में जाकर कैरियर बनाने के बजाए आत्मघाती कदम उठा लेते हैं। पिछले कुछ महीनों की मीडिया रिपोर्ट में आत्मघाती कदम उठाने वाले विद्यार्थियों की संख्या देखकर कोई भी चिंतन करने के लिए बाध्य हो जाएगा। हमें इनके कारणों पर जाना होगा। इसके कई कारण सामने भी आए हैं। सेंटरों द्वारा अवैध उगाही, जिसके कारण बच्चे मानसिक तनाव से गुजरते हैं और आत्मघाती कदम के लिए मजबूर होते हैं। अभिभावकों द्वारा थोपे गए कैरियर को पूरा करने का दबाव भी बच्चों को मानसिक प्रताड़ना देते हैं। इच्छा के विरूद्ध दूसरे विषयों पर अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों को कैरियर बनाने का दबाव। माली हालत,गलत संगति भी ऐसे हादसों के लिए जिम्मेदार हैं। अभिभावक बच्चों को लक्ष्य बनाने के लिए स्वतंत्र छोड़ें, इसी में बच्चों की भी भलाई है।

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

पीएम मोदी ने पांच दिनों में लिख डाली नई कूटनीति इबारत

प्रधानमंत्री मोदी नाइजीरिया, ब्राजील और गयाना की यात्रा से 22 की शाम स्वदेश लौट आए। 16 से 21 नवंबर तक इस यात्रा के दौरान उन्होंने वैश्विक नेताओं के साथ 31 द्विपक्षीय बैठकों एवं अनौपचारिक वार्ताओं में हिस्सा लिया। इसी के साथ पीएम मोदी ने एक रिकॉर्ड कायम किया बल्कि पांच दिनों में नई कूटनीति इबारत लिख डाली है।

गुयाना यात्रा के दौरान नौ द्विपक्षीय बैठकें की

पीएम मोदी ने अपने तूफानी दौरे के दौरान नाइजीरिया में नाइजीरियाई राष्ट्रपति के साथ एक द्विपक्षीय बैठक, ब्राजील में जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर 10 द्विपक्षीय बैठकें और प्रधानमंत्री मोदी ने गुयाना यात्रा के दौरान नौ द्विपक्षीय बैठकें कीं और इतना ही उन्होंने गुयाना में भारतीय समुदाय को संबोधित भी किया।

ब्राजील में प्रधानमंत्री मोदी ने इंडोनेशिया, पुर्तगाल, इटली, नॉर्वे, फ्रांस, ब्रिटेन, चिली, अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। अधिकारियों ने बताया कि इंडोनेशियाई नेता प्राबोवो सुबिआंतो, पुर्तगाल के लुइस मोंटेनेग्रो, यूके के कीर स्टार्मर, चिली के गेब्रियल बोरिक और अर्जेंटीना के जेवियर माइली के साथ उनकी पहली द्विपक्षीय बैठकें हुईं।

प्रधानमंत्री मोदी ने इनसे भी की मुलाकात

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्राजील में सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, मिस्र, अमेरिका और स्पेन के नेताओं और यूरोपीय संघ के उर्सुला वॉन डेर लेयेन जैसे विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों और अधिकारियों के साथ अनौपचारिक बातचीत और बैठकें कीं। साथ ही संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस और आईएमएफ की क्रिस्टालिना जॉर्जीवा और गीता गोपीनाथ से भी मुलाकात की।

अधिकारियों ने बताया कि गुयाना में प्रधानमंत्री मोदी ने गुयाना, डोमिनिका, बहामास, त्रिनिदाद और टोबैगो, सूरीनाम, बारबाडोस, एंटीगुआ और बारबुडा, ग्रेनेडा और सेंट लूसिया के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

दुनिया स्वीकार रही भारत का रणनीतिक महत्व-मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया भारत के रणनीतिक महत्व को स्वीकार कर रही है और ऐसा पिछले दस वर्षों के रिफार्म (सुधार), परफार्म (प्रदर्शन) एवं ट्रांसफार्म (परिवर्तन) के मंत्र के कारण हुआ है। जर्मनी में न्यूज9 ग्लोबल समिट को वर्चुअली संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है और विकास के लिए हर देश भारत के साथ साझेदारी करना चाहता है। जर्मनी का फोकस आन इंडिया दस्तावेज इसका उदाहरण है। यह दस्तावेज दिखाता है कि कैसे दुनिया भारत के रणनीतिक महत्व को स्वीकार रही है।

आज भारत में मजबूत नींव रखी गई है

प्रधानमंत्री ने कहा, हर क्षेत्र में नई नीतियां बनाई गई हैं। हमने लालफीताशाही खत्म की और कारोबार को आसान बनाया है। बैंकों को मजबूत किया ताकि विकास के लिए समय पर पूंजी उपलब्ध हो सके। जटिल कर प्रणाली को सरल बनाया गया है। हमने प्रगतिशील एवं स्थिर नीति का वातावरण बनाया है ताकि हमारा कारोबार आगे बढ़ सके। आज भारत में मजबूत नींव रखी गई है जिस पर विकसित भारत की भव्य इमारत खड़ी होगी। जर्मनी इस काम में एक भरोसेमंद साझेदार है।

आरबीआई को गोल्ड लोन देने में मिली गड़बड़ी, किया गया बदलाव

भारतीय रिजर्व बैंक ने गोल्ड लोन देने की प्रणाली में सुधार के लिए आवश्यक मुद्दों की पहचान की है, जिसके बाद इस क्षेत्र में कई बदलाव किए गए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, लोन प्रदाता अब पारंपरिक बुलेट रीपेमेंट मॉडल को छोड़कर EMI और टर्म लोन की ओर रुख कर रहे हैं ताकि नियामक मुद्दों को दूर किया जा सके।

ऑक्शन प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव
लोन-टू-वैल्यू अनुपात मानदंडों का पालन न होना

इसके अलावा आंशिक भुगतान (पार्शियल पेमेंट) और लोन रोलओवर के प्रचलन की आलोचना करते हुए RBI ने लोन देने वाले संस्थानों से उधारकर्ताओं की रीपेमेंट क्षमता की सख्त जांच करने को कहा है।

वर्तमान गोल्ड लोन मॉडल

बुलेट रीपेमेंट मॉडल- इसमें लोन का मूलधन और ब्याज एक साथ अंत में चुकाना होता है।

ईएमआई आधारित मॉडल- RBI ने जोखिम कम करने और बेहतर निगरानी के लिए श्रस्ब्धु आधारित मॉडल अपनाने की सिफारिश की है।

गोल्ड लोन सेक्टर की प्रगति

अप्रैल-अगस्त 2024 के बीच गोल्ड लोन में 37 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।
गोल्ड लोन पर केंद्रित एनबीएफसी की प्रबंधित संपत्तियों में 11 प्रतिशत वृद्धि हुई।
30 सितंबर तक गोल्ड लोन का कुल आंकड़ा 1.4 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जिसमें सालाना आधार पर 51 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

चुनौतियां और विशेषज्ञों की राय

गेफियन कैपिटल के पार्टनर प्रकाश अग्रवाल के अनुसार, सोने की कीमतों में गिरावट से कोलैटरल वैल्यू कम हो सकती है, जिससे रिफाइनेंस और रीपेमेंट क्षमता पर दबाव पड़ सकता है।

भविष्य की संभावनाएं

अगर RBI गोल्ड लोन नियमों को सख्त करता है, तो इस सेक्टर की विकास दर धीमी हो सकती है। लेंडर्स अधिक सतर्कता बरत सकते हैं और उधार देने में जोखिम से बचने का प्रयास करेंगे। RBI का मुख्य उद्देश्य गोल्ड लोन प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाना है। EMI आधारित मॉडल अपनाने से न केवल जोखिम कम होगा बल्कि ग्राहकों और लेंडर्स के बीच भरोसा भी मजबूत होगा। एजेंसी।

आवास परियोजनाओं की निर्माण लागत चार साल में 39प्रतिशत बढ़ी

बड़े शहरों में आवास परियोजनाओं के निर्माण की औसत लागत पिछले चार वर्षों में 39 प्रतिशत बढ़कर 2,780 रुपए.0 प्रति वर्ग फुट हो गई है। यह बढ़ोत्तरी निर्माण सामग्री और श्रम की बढ़ती दरों के कारण हुई है। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी कोलियर्स इंडिया के अनुसार, प्रीमियम आवास परियोजनाओं के लिए औसत निर्माण लागत अक्टूबर, 2020 में 2,000 रुपए प्रति वर्ग फुट थी। अक्टूबर, 2021 में निर्माण लागत बढ़कर 2,200 रुपए प्रति वर्ग फुट और अक्टूबर, 2022 में 2,300 रुपए प्रति वर्ग फुट तो अक्टूबर, 2023 में 2,500 रुपए प्रति वर्ग फुट और अक्टूबर, 2024 में 2,780 रुपए प्रति वर्ग फुट हो गई। कोलियर्स इंडिया ने कहा कि ये 15 मंजिलों वाली ग्रेड ए आवासीय इमारत के लिए औसत लागत हैं।

सलाहकार ने कहा कि यह आंकड़ा महानगरों (टियर-1) शहरों से संबंधित है। पिछले एक साल में आवासीय परियोजनाओं के निर्माण की औसत लागत में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, क्योंकि श्रम लागत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और रेत, ईंट, कांच, लकड़ी आदि जैसी निर्माण सामग्री की कीमतों में मामूली वृद्धि हुई है।

उल्लेखनीय रूप से, सीमेंट, स्टील, तांबा और एल्युमीनियम सहित चार प्रमुख निर्माण सामग्रियों की कीमतों में वृद्धि का कुल प्रभाव अपेक्षाकृत कम रहा है। पिछले 12 महीनों में सीमेंट की औसत कीमतों में 15 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई है, जबकि स्टील की औसत कीमतों में एक प्रतिशत की कमी देखी गई है। हालांकि, सलाहकार ने बताया कि पिछले एक साल में श्रम लागत में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। तांबे और एल्युमीनियम की औसत दर में क्रमश: 19 प्रतिशत और पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

कोलियर्स इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बादल याग्निक ने कहा, हालांकि पिछले वर्ष प्रमुख निर्माण सामग्रियों की कीमतों में वृद्धि अपेक्षाकृत मामूली थी लेकिन श्रम लागत के कारण निर्माण की समग्र लागत बढ़ रही है। एजेंसी।

गोल्डन गर्ल बनकर तमन्ना भाटिया ने चुराया दिल, पलक छपकते ही वायरल हो गईं हसीना की तस्वीरें लुक की बात करें तो तमन्ना गोल्डन और व्हाइट कलर अनारकली सूट में खूबसूरत लग रही हैं।

जाह्नवी कपूर ने बनाई माता लक्ष्मी की पेंटिंग, तस्वीरें शेयर कर फैंस को दिखाया अपने हाथों का हुनर एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर फिल्म इंडस्ट्री की एक जानी मानी एक्ट्रेस हैं। जाह्नवीं ने मां लक्ष्मी के अलावा कई तस्वीरें एक्स पर पोस्ट की है ।

साल 2025 में किस दिन होगा कौन सा त्यौहार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जल्द ही नए साल की शुरुआत होने वाली है। 2024 की विदाई होने में अब सिर्फ एक ही माह बाकी है। लोगों को नववर्ष के साथ-साथ इस साल में पड़ने वाले व्रत-त्योहारों का भी बहुत बेसब्री से इंतजार रहता है।

जल्द ही नए साल की शुरुआत होने वाली है। 2024 की विदाई होने में अब सिर्फ एक ही माह बाकी है। लोगों को नववर्ष के साथ-साथ इस साल में पड़ने वाले व्रत-त्योहारों का भी बहुत बेसब्री से इंतजार रहता है। भारत सांस्कृतिक और प्राकृतिक विविधताओं वाला देश है। इन त्योहारों से भारत की अलग-अलग कल्चर और रीति-रिवाज को जानने का मौका मिलता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, आने वाला साल शुभ आयोजनों और त्योहारों से भरा रहेगा। इस साल बहुत सारे दुर्लभ संयोग बनेंगे। तो आइए जानते हैं कि साल 2025 में कौन सा पर्व किस दिन मनाया जाएगा-

जनवरी 2025 त्यौहार

1 जनवरी दिन, बुधवार- नव वर्ष

13 जनवरी दिन, सोमवार- लोहड़ी

14 जनवरी दिन, मंगलवार- पोंगल, उत्तरायण, मकर संक्रांति

फरवरी 2025 त्यौहार

2 फरवरी, दिन रविवार- बसंत पंचमी,सरस्वती पूजा

26 फरवरी, दिन बुधवार- महाशिवरात्रि

मार्च 2025 त्योहार

13 मार्च, दिन गुरुवार- होलिका दहन

14 मार्च, दिन शुक्रवार- होली

30 मार्च, दिन रविवार- चैत्र नवरात्रि,उगाडी, गुड़ी पड़वा

31 मार्च, दिन सोमवार- चेटी चंड

अप्रैल 2025 त्योहार

6 अप्रैल, दिन रविवार- रामनवमी

7 अप्रैल, दिन सोमवार- चैत्र नवरात्रि पारण

12 अप्रैल, दिन शनिवार- हनुमान जयंती

14 अप्रैल, दिन सोमवार- बैसाखी, अम्बेडकर जयन्ती

30 अप्रैल, दिन बुधवार- क्षय तृतीया

जून 2025 त्योहार

27 जून, दिन शुक्रवार- जगन्नाथ रथ यात्रा

जुलाई 2025 त्योहार

6 जुलाई, दिन रविवार- अषाढ़ी एकादशी

10 जुलाई, दिन गुरुवार- गुरु-पूर्णिमा

27 जुलाई, दिन रविवार- हरियाली तीज

29 जुलाई, दिन मंगलवार- नाग पंचमी

अगस्त 2025 त्योहार

9 अगस्त दिन शनिवार- रक्षा बंधन

12 अगस्त, दिन मंगलवार- कजरी तीज

15 अगस्त, दिन शुक्रवार- स्वतंत्रता दिवस

16 अगस्त, दिन शनिवार- जन्माष्टमी

26 अगस्त, दिन मंगलवार- हरतालिका तीज

27 अगस्त, दिन बुधवार- गणेश चतुर्थी

सितंबर 2025 त्योहार

5 सितंबर, दिन शुक्रवार- ओणम/थिरुवोणम

6 सितंबर, दिन शनिवार- अनंत चतुर्दशी

22 सितंबर, दिन सोमवार- शरद नवरात्रि

30 सितंबर, दिन मंगलवार- दुर्गा महा अष्टमी पूजा

अक्टूबर 2025 त्योहार

1 अक्टूबर, दिन बुधवार- दुर्गा महा नवमी पूजा

2 अक्टूबर, दिन गुरुवार- गांधी जयंती, दशहरा, शरद नवरात्रि पारण

10 अक्टूबर, दिन शुक्रवार- करवा चौथ

18 अक्टूबर, दिन शनिवार- धनतेरस

20 अक्टूबर, दिन सोमवार- नरक चतुर्दशी

21 अक्टूबर, दिन मंगलवार- दिवाली

22 अक्टूबर, दिन बुधवार- गोवर्धन पूजा

23 अक्टूबर, दिन गुरुवार- भाई दूज

28 अक्टूबर, दिन मंगलवार- छठ पूजा

दिसंबर 2025 त्योहार

25 दिसंबर, दिन गुरुवार- मेरी क्रिसमस

दिलजीत दोसांझ ने फिर दिया ओपन चैलेंज, बोले- फिल्मों में हर एक्टर दिखता है शराब के साथ, उन्हें भी करो बैन

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

फेमस पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ इस समय सरकार से पूरा पंगा लेने के मूड मे है। शराब वाले गानों को लेकर चल रही बहस के बीच उन्होंने एक बार फिर ओपन चैलेंज दे दिया है।अपने दिल-लुमिनाती टूर के तहत वह दुनिया भर में कॉन्सर्ट कर रहे हैं। बाकी देशों में तो उन्हें खूब प्यार मिला लेकिन भारत में उनके शराब वाले गानों का विरोध किया जा रहा है। ऐसे में सिंगर ने सरकार के साथ- साथ इंडियन सिनेमा पर भी निशाना साधा।

दिलजीत ने बीते दिन लखनऊ में लाइव परफॉर्मेंस के दौरान एक बार फिर तेलंगाना सरकार के नोटिस पर रिएक्ट किया। दरअसल तेलंगाना सरकार ने उनके दिल लुमिनाटी टूर के दौरान शराब से जुड़े गानों पर आपत्ति जताई थी, खासकर पटियाला पेग और पंज तारा जैसे गानों को लेकर। सरकार ने दिलजीत से अनुरोध किया था कि वह इन गानों को अपने कॉन्सर्ट से बाहर रखें। इस पर सिंगर ने कहा- मेरा किसी के साथ कोई मुकाबला नहीं है, कोई वर्सेस नहीं है।

दिलजीत ने लखनऊ में कहा- कुछ दिन पहले वो मुझे चैलेंज दे रहे थे कि दिलजीत शराब के बिना गाना हिट करके दिखाए। आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि मेरे बहुत सारे गाने हैं जो पटियाला पेग से ज्यादा स्ट्रीम करते हैं स्पॉटिफाई पर। तो आपका जो चैलेंज है, वो वैसे ही बेकार हो गया है। ,मैं अपने गानों को डिफेंड नहीं कर रहा। मैं सिर्फ इतना चाहता हूं कि अगर आप सेंसरशिप लगाना चाहते हो गानों पर, तो वो सेंसरशिप भारतीय सिनेमा में भी होना चाहिए। राइट।

दिलजीत आगे कहते हैं- भारतीय सिनेमा में कौन सा बड़ा एक्टर है जिसने शराब पर गाना या फिर सीन नहीं किया है? तो अगर आपको सेंसरशिप लगानी है, तो प्लीज सब पर लगाओ। मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं, मैं बंद कर दूंगा उसी दिन से। क्योंकि कलाकार आपको सॉफ्ट टारगेट लगते हैं इसलिए आप हमेशा उन्हें छेड़ते हैं, लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि मैंने जो फिल्में की हैं, उन्हें नेशनल अवॉर्ड्स भी मिले हैं. दिलजीत के इस बयान के सामने आने के बाद बवाल मच गया है।

इससे पहले दिलजीत ने कहा था कि वह शराब नहीं पीते हैं और शराब की दुकानें हर जगह बंद होने पर ऐसे गाने न गाने का संकल्प लेने के लिए तैयार हैं। इसी बीच रैपर बादशाह ने उन्हें स्पोर्ट करते हुए कहा कि वह दिलजीत की हालिया टिप्पणियों से सहमत हैं कि जिस दिन देश भर में शराब की दुकानें बंद हो जाएंगी, उस दिन वह शराब वाले गाने गाना बंद कर देंगे। बादशाह का कहना है कि आप उसे शराब के बारे में गाने न गाने या बनाने के लिए कह रहे हैं, लेकिन फिर आप हर जगह शराब बेच रहे हैं। उन्हें क्यों नहीं बनाया जाना चाहिए?

आईएमडी ने जारी किया ताजा अपडेट

भीषण तूफान का खतरा, 11 राज्यों में भारी बारिश और ठंड में बढ़ोतरी का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत में मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है, और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आने वाले दिनों में देशभर में मौसम में भारी बदलाव की चेतावनी दी है। सर्दी का मौसम पहले ही दस्तक दे चुका है और इसके साथ ही उत्तर भारत में घने कोहरे, दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर राज्यों में आंधी-तूफान और बारिश का सिलसिला देखने को मिल सकता है। इस बीच, मौसम विभाग ने 23 नवंबर से 28 नवंबर तक देशभर के लिए ताजा अलर्ट जारी किया है, जिसमें भारी बारिश, तूफान और बर्फबारी के संकेत मिल रहे हैं।

चक्रवाती तूफान का खतरा

मौसम विभाग ने आगामी दिनों में एक चक्रवाती तूफान के बनने का पूर्वानुमान जताया है। वर्तमान में पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर और इससे सटे दक्षिण अंडमान क्षेत्र में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय है, जो समुद्र के मध्य क्षोभमंडल तक फैल चुका है। इस सर्कुलेशन के असर से कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि यह तूफान पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ते हुए दक्षिण बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि अगले 2-3 दिनों में दक्षिण बंगाल की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी, अंडमान सागर और तटीय क्षेत्रों में तूफानी हवाएं चल सकती हैं और भारी बारिश हो सकती है। इस चक्रवाती तूफान के प्रभाव से मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है, खासकर तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के आसपास के क्षेत्रों में। हवाओं की रफ्तार 35 से 55 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है, जिससे समुद्री यात्रा के लिए जोखिम हो सकता है।

इन राज्यों में बारिश और तूफानी हवाओं का अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवाती तूफान के असर से दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों में भारी बारिश हो सकती है। 23 से 28 नवंबर तक के लिए जारी किए गए मौसम अलर्ट के मुताबिक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और कुछ अन्य क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज और चमक हो सकती है। कुछ स्थानों पर भारी बारिश का भी अनुमान है, और मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों के नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है।

Latin NCAP क्रैश टेस्ट में फेल हुई Citroen Cx Aircross, सुरक्षा के लिए मिले 0 अंक

पेरिस (एजेंसी)।

फ्रांस की वाहन निर्माता कंपनी सिट्रॉएन अपने विभिन्न मॉडल्स को कई देशों में बेचती है। हाल ही में सिट्रॉएन की कार Cx Aircross का क्रैश टेस्ट किया गया और इस गाड़ी ने सुरक्षा के मामले में बेहद खराब अंक हासिल किए हैं। यह टेस्ट लैटिन NCAP (नई कार मूल्यांकन कार्यक्रम) द्वारा किया गया था। Citroen Cx Aircross को फ्रंटल इम्पैक्ट, साइड इम्पैक्ट, व्हिपलैश और पैदल यात्रियों की सुरक्षा के संदर्भ में टेस्ट किया गया। लेकिन, क्रैश टेस्ट के नतीजे काफी निराशाजनक रहे।

सुरक्षा के मामले में कितने अंक मिले?

टेस्ट के बाद जारी रिपोर्ट में Citroen Cx Aircross को सुरक्षा के लिए 0 अंक मिले। इस गाड़ी ने वयस्कों की सुरक्षा के लिए केवल 33.01% अंक प्राप्त किए, जबकि बच्चों की सुरक्षा के मामले में इसे 11.37% अंक ही मिले। पैदल यात्रियों की सुरक्षा में गाड़ी ने 49.57% अंक हासिल किए हैं। इसके अलावा सेफ्टी असिस्ट सिस्टम के तहत गाड़ी को 35% अंक मिले हैं।

कहां बनी टेस्ट की गई यूनिट

लैटिन NCAP द्वारा टेस्ट किए गए यूनिट को ब्राजील में निर्मित किया गया है और इसे लैटिन अमेरिकी देशों और कैरेबियन देशों में बेचा जाता है। इस यूनिट में दो एयरबैग और ईएससी (इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल) जैसे मानक सुरक्षा फीचर्स दिए गए हैं।

सुबह उठते ही शरीर में हो रही जकड़न और दर्द तो पेनकिलर नहीं ये नुस्खा आजमाएं

बदलते मौसम में इन दिनों बॉडी पेन यानि बदन दर्द की समस्या बहुत से लोगों को हो रही है। सबुह उठते ही शरीर में अलग सी जकड़न और दर्द महसूस हो रहा है। हालांकि बॉडी पेन को लोग सामान्य परेशानी ही समझते हैं लेकिन शरीर में दर्द होने के कई कारण हो सकते हैं। जैसे विटामिन्स की कमी, ज्यादा स्ट्रैस, बदलते मौसम के चलत शरीर में दर्द होना। कभी-कभार ऐसा हो तो घबराने की बात नहीं रहती क्योंकि यह अपने आप सही हो जाता है लेकिन अगर दर्द लगातार और तेज हो रहा हो तो ज्यादातर लोग पेन किलर्स का सहारा लेते हैं लेकिन हर बार पेन किलर्स खाना सही नहीं, कुछ घरेलू नुस्खों को दर्द से राहत पाने के लिए आजमाया जा सकता है लेकिन कोई भी नुस्खा फॉलो करने से पहले यह पता होना भी जरूरी है कि शरीर में दर्द हो क्यों रहा है।

बदलते मौसम के कारण:

मौसम में बदलाव होने के चलते भी शरीर में दर्द होता है। गर्मी से सर्दी का मौसम शुरू हो रहा है और बदलता मौसम कोल्ड-कफ, गले में खराश के चलते भी पूरी बॉडी में जकड़न व दर्द महसूस होती है। कई लोगों को वायरल फीवर हो रहा है। वायरल फीवर भी शरीर को जकड़न और दर्द देता है।

विटामिन डी की कमी:

शरीर में विटामिन डी की कमी होने से कैल्शियम लेवल कम हो जाता है। कैल्शियम और विटामिन डी बहुत जरूरी है। मांसपेशियों, हड्डियों और किडनी के ठीक से काम करने में यह बहुत सहायक होते हैं। हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए कैल्शियम बहुत जरूरी है और कैल्शियम तब तक अब्सॉर्ब नहीं होगा जब तक विटामिन डी की कमी रहेगी इसके चलते भी सुबह उठते ही हड्डियों में शरीर और हड्डियों में दर्द हो सकता है।

एनीमिया:

एनीमिया की समस्या से भी शरीर थका-थका और कमजोर महसूस होता है। ऐसा तब होता है जब शरीर में रेड ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है। शरीर के कई अंगों को आक्सीजन नहीं मिल पाती इसलिए सुबह सोकर उठने के बाद भी आपका शरीर थका हुआ रहता है और आपको लगातार दर्द होता है। एनीमिया के सामान्य लक्षण हैं, जैसे- थकावट, दिल की धड़कन का बढ़ना, चक्कर आना, सिर या सीने में दर्द, हाथ पैर का ठंडे पड़ना।

वजन ज्यादा होना:

ज्यादा वजन होने से भी पीठ और गर्दन पर दबाव पड़ता है, जिससे बॉडी के इन अंगों में दर्द होता है। मोटापे के चलते नींद में सांस से जुड़ी बीमारियां भी हो सकती है, जिसके चलते शरीर में दर्द और जकड़न हो सकती है।

खराब क्वालिटी के गद्दे:

स्लीप फ़ाउंडेशन के अनुसार, खराब क़्वालिटी वाले गद्दे पर सोने से भी शरीर में दर्द और अकड़न की समस्या पैदा हो सकती है। यह भी बॉडी पेन होने के प्रमुख लक्षणों में से एक है।

सोने का गलत तरीका:

सोने का गलत तरीके की वजह से भी आपके शरीर में दर्द हो सकता है। सामान्य तौर पर, ज्यादातर लोगों के लिए करवट लेकर सोना सबसे अच्छा होता है, खासकर उन लोगों के लिए जो नींद में सांस लेने की बीमारी जैसे ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया से पीड़ित होते हैं।

जांघ में दर्द के कारण:

हड्डियों, मांसपेशियों या नसों से जुड़ी समस्या होने पर भी जांघों में दर्द होता है। शरीर में पानी की कमी, पोटैशयिम, कैल्शियम, सोडियम आदि की कमी होने के कारण जांघ में दर्द हो

सकता है हड्डी में फ्रैक्चर हो जाने के कारण जांघ में दर्द हो सकता है।

शरीर दर्द के लिए आप कई तरह के घरेलू उपचार कर सकते हैं जिसकी मदद से आप बदन दर्द से राहत पा सकते हैं।

हल्दी वाला दूध :

एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट्स गुणों से भरपूर हल्दी शरीर दर्द दूर करने का सबसे बेस्ट उपचार है। इससे दर्द के साथ सूजन दूर करने में भी मदद मिलेगी। यह कई तरह की इंफेक्शन से भी बचाव करता है। रात को सोने से पहले आधा चम्मच हल्दी एक गिलास दूध में डालकर पीएं।

अदरक:

अदरक भी शरीर के दर्द से आराम दिलाता है। इसमें पाए जाने वाले एंटी-इंफ्लेमेटरी और एनाल्जेसिक गुण शरीर के दर्द को दूर करने में मदद करते हैं। एक गिलास पानी में 2 इंच अदरक का टुकड़ा डालें। इसे कुछ मिनट तक उबालें और फिर छान लें। उसके बाद इसका सेवन करें। इससे आपको बॉडी पेन से काफी राहत मिलेगी। आप अदरक वाली चाय भी पी सकते हैं।

दालचीनी :

दालचीनी में भी एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं जो दर्द से तुरंत राहत दिलाने में मदद करते हैं। एक गिलास दूध में थोड़ी सी दालचीनी और एक चम्मच शहद को मिलाकर पीएं।। रात को सोने से पहले इसका सेवन करें लेकिन दालचीनी की तासीर काफी गर्म होती हैं इसलिए चिकित्सक परामर्श के अनुसार ही सेवन करें।

तेल की मालिश करें :

बदन दर्द से राहत पाने का एक अच्छा तरीका मालिश करना भी है। इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और मांसपेशियों का दर्द दूर होता है। मालिश के लिए आप सरसों के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। सरसों के तेल में 2-4 लहसुन की कलियां और अजवाइन डालकर उबाल लें। फिर तेल को ठंडा करके इससे पूरे शरीर की मालिश करें। ऐसा करने से आपको दर्द से जल्द राहत मिलेगी।

सेब का सिरका :

बदन का दर्द दूर करने के लिए आप सेब का सिरका भी इस्तेमाल कर सकते हैं। सिरके में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुण शरीर के दर्द और सूजन को दूर करने में मदद कर सकते हैं। एक बाल्टी गुनगुने पानी में एक बड़ा चम्मच सेब का सिरका डालें। इस पानी से नहाएं आपको आराम मिलेगा।

इन बातों का भी रखें ख्याल:

भरपूर पानी पीएं। पर्याप्त नींद लें। हैल्दी डाइट लें। अगर शरीर में कैल्शियम-पोटाशियम, आयरन या अन्य किसी तत्व की कमी से बॉडी पेन हो रही है तो डॉक्टरी परामर्श से इलाज करें।

एजेंसी।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए नाश्ते में बेहतर विकल्प चुनें

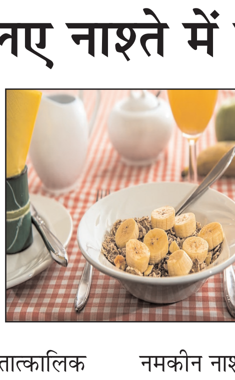

नाश्ता हर इंसान के लिए एक जरूरी भोजन है, जो दिन की शुरुआत में ऊर्जा और पोषण प्रदान करता है। एक अच्छा नाश्ता न केवल शरीर को ऊर्जा देता है, बल्कि मूड को भी सेट करता है। सुबह के समय शरीर को आवश्यक पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है और नाश्ता इस जरूरत को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मीठे नाश्ते के फायदे और नुकसान

मीठे नाश्ते में आमतौर पर चीनी से बनी चीजें होती हैं, जैसे अनाज, शहद, पैनकेक, फल और मिठाई। मीठा खाना शरीर को तात्कालिक ऊर्जा प्रदान करता है, क्योंकि इसमें कार्बोहाइड्रेट की अधिकता होती है। जब हम मीठा खाते हैं, तो ग्लूकोज हमारे रक्त में जल्दी अवशोषित हो जाता है, जिससे तुरंत ऊर्जा मिलती है। हालांकि, मीठे नाश्ते के कुछ नुकसान भी हैं। सुबह-सुबह मीठा खाने से शरीर में ब्लड शुगर का स्तर बढ़ सकता है, जिससे थकान महसूस हो सकती है। इसके अलावा, मीठे नाश्ते से मोटापा और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा भी बढ़ सकता है। अक्सर मीठे नाश्ते में प्रोसेस्ड चीनी का इस्तेमाल होता है, जिसमें विटामिन और मिनरल्स की कमी होती है।

नमकीन नाश्ते के फायदे

नमकीन नाश्ते में प्रोटीन, फाइबर और कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट की अधिकता होती है, जैसे पोहा, उपमा, इडली, चिल्ला और अंडा सैंडविच। नमकीन नाश्ता धीरे-धीरे डाइजेस्ट होता है और लंबे समय तक ऊर्जा प्रदान करता है। एजेंसी

बालको के कैंसर देखभाल केंद्र, स्थायी आजीविका सृजन और महिला सशक्तिकरण की दिशा में वेदांता की अहम भूमिका

छत्तीसगढ़ के विकास में वेदांता के प्रमुख सीएसआर योगदानों को उजागर करते हुए, अनिल अग्रवाल फाउंडेशन ने वित्त वर्ष 2024 की सोशल इम्पैक्ट रिपोर्ट जारी की

बालकोनगर / रायपुर (दिव्य आकाश)।

भारत के विकास में योगदान के लिए वेदांता लिमिटेड की सामाजिक पहल शाखा,अनिल अग्रवाल फाउंडेशन द्वारा वित्त वर्ष 2023-24 में 437 करोड़ रुपये का निवेश किया गया जिससे 1.73 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया। इसमें भारत एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) और बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य में महत्वपूर्ण योगदान शामिल है। फाउंडेशन की वार्षिक सोशल इम्पैक्ट रिपोर्ट, नर्चरिंग, ट्रांसफॉर्मिंग, लीडिंग- इंडिया स ग्रोथ स्टोरी, में 153 उच्च प्रभावशाली परियोजनाओं का उल्लेख किया गया है, जो 1,200 से अधिक गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, महिला एवं बाल विकास, कौशल व आजीविका, पशु कल्याण और पर्यावरणीय स्थिरता जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित हैं।

बालको, वेदांता की सहायक कंपनी है, जो छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित एक प्रतिष्ठित एल्युमीनियम निर्माता है। यह अपने परिचालन क्षेत्रों और आसपास के समुदायों के जीवन को बेहतर बनाने और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। बालको अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से इन समुदायों को सशक्त और सफल बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके तहत इन्होंने छत्तीसगढ़ के कोरबा, कवर्धा, सरगुजा और रायपुर जिलों के 123 गाँवों में लगभग 1.7 लाख लोगों को लाभ पहुँचाने का लक्ष्य बनाया है। वर्षभर में, स्थायी आजीविका, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य देखभाल और सामुदायिक बुनियादी ढाँचे जैसी विभिन्न सामाजिक प्रभाव पहलों के माध्यम से कुल 1,69,056 ज़िंदगियों को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया गया है।

वेदांता लिमिटेड की नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड की चेयरपर्सन, प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा, वेदांता में, हमारी मूल विचारधारा अर्थ (जो मूल्य हम उत्पन्न करते हैं) और धर्म (जो मूल्य हम वापस देते हैं) हमें समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता को मार्गदर्शन प्रदान करती है। हमारी हर पहल — चाहे वह बच्चों का पोषण और स्वास्थ्य देखभाल हो, कौशल विकास और आजीविका, खेलों का प्रचार, सांस्कृतिक संरक्षण या अन्य कोई पहल — ये सभी हमारे समावेशी और सशक्त भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

बालको का 'मोर जल मोर माटी' प्रोजेक्ट अपने समुदाय कल्याण और सतत आजीविका के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस परियोजना ने जल प्रबंधन में सुधार और नवाचारी खेती के तरीकों को अपनाकर किसानों को पूरे वर्ष भर आय अर्जित करने में सक्षम बनाया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से बालको ने 107 जल संरचनाओं का निर्माण किया, जिससे 1,06,061 क्यूबिक मीटर की कुल जल भंडारण क्षमता उत्पन्न हुई। जिन किसानों ने आधुनिक तकनीकों को अपनाया है, उनकी उत्पादकता में 1.4 गुना और आय में 50% की वृद्धि हुई है। अब तक, इस परियोजना से 4,749 किसानों को लाभ पहुँचा है, जो 32 गाँवों में 1,800 एकड़ भूमि को सिंचाई के लिए सुरक्षित करके 85% खेती करने वाले परिवारों की जरूरतों को पूरा करती है।एक अन्य प्रेरणादायक सफलता की कहानी बुंदेली गांव के एक किसान तुलसी मंझवार की है। वे आय की सीमितता के चलते काफी परेशान थे। बालको के मार्गदर्शन में उन्होंने लाख की खेती की ओर रुख किया। परिणामस्वरूप, उनके खेत में 130 किलो लाख का उत्पादन हुआ और उन्होंने 65,000 रुपए की अतिरिक्त आय अर्जित की। यह मार्गदर्शन उनके परिवार की आजीविका में उल्लेखनीय सुधार करने में अहम कारक साबित हुआ। यह पहल ग्रामीण समुदायों में स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने में बालको की भूमिका को दर्शाती है।

प्रोजेक्ट उन्नति महिलाओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित है। इसके माध्यम से उन्हें एसएचजी में शामिल किया जाता है, और उनकी क्षमताओं और कौशल को निखारा जाता है, ताकि वे उद्यमिता एवं स्थायी आजीविका के लिए तैयार हो सकें। इस परियोजना के तहत 531 स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) में 5,741 महिलाओं को सशक्त किया गया और 2,087 महिलाओं को आर्थिक रूप से शामिल किया गया, जिन्होंने मिलकर 12 लाख रुपए की बचत करने में योगदान दिया। परियोजना ने 7 माइक्रो एंटरप्राइजेस के तहत 1,400 महिलाओं को प्रशिक्षित किया और 44 उत्पादों को प्रस्तुत करते हुए 10 लाख रुपए का राजस्व उत्पन्न किया।

अपनी सामाजिक प्रभाव शाखा के माध्यम से, वेदांता भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है और स्वदेशी कारीगरों को सशक्त बना रहा है। दिल्ली हाट में वेदांता संस्कृति महोत्सव में बालको के प्रोजेक्ट उन्नति की महिलाओं को उनके उत्पादों को प्रदर्शित और बिक्री का अवसर मिला, जिसके परिणामस्वरूप उनकी पहुँच छत्तीसगढ़ राज्य से बाहर भी विस्तारित हुई।

अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की प्रमुख महिला और बाल परियोजना %नंद घर% के तहत 14 राज्यों में आरंभ से अब तक 6,044 आधुनिक आंगनवाड़ी केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिसमें छत्तीसगढ़ में बालको द्वारा संचालित 262 केंद्र शामिल हैं। ये नंद घर भारत भर में 2,38,161 बच्चों और 1,78,620 महिलाओं को प्रारंभिक बाल शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य सेवाएँ और महिलाओं के लिए कौशल विकास जैसी महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।

वेदांता लिमिटेड खनिज, ऊर्जा और तकनीक के क्षेत्र में दुनिया की अग्रणी कंपनियों में से एक है। यह अपनी 19 सहायक सब्सिडियरी के माध्यम से भारत के विभिन्न राज्यों में अपना सामाजिक प्रभाव स्थापित कर रही है। कंपनी ने 5 वर्षों में अपने सीएसआर पहलों को और बेहतर करने के लिए 5,000 करोड़ रुपए का निवेश करने का संकल्प लिया है, ताकि एक सतत और समावेशी भविष्य का निर्माण किया जा सके।

आफ की पहल के बारे में अधिक जानकारी के लिए यहां जाएं- www.vedantalimited.com

किताब पढ़ने के लिए- https://heyzine.com/flip-book/3190307616.html

अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की पहल : 437 करोड़ से 1.73 करोड़ लोगों के जीवन में आया बड़ा बदलाव

आफ की सामाजिक पहलों से जुड़े प्रमुख आँकड़े (वित्त वर्ष 2023-24)-

- ❖ 437 करोड़ रुपए का निवेश भारत में 153 सामाजिक परियोजनाओं में किया गया
- ❖ 1,200 से अधिक गाँवों में 1.73 करोड़ लोगों को लाभ पहुँचाया
- ❖ 6,044 नंद घरों के माध्यम से 238,161 बच्चों और 178,620 महिलाओं का सहयोग किया गया
- ❖ पशु कल्याण परियोजनाओं से 1.48 लाख पशुओं को लाभ मिला
- ❖ 140 से अधिक महिला फुटबॉलर्स की सफलता में योगदान दिया; 13वीं ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप 2024 में 11 राष्ट्रीय स्तर के पदक जीते
- ❖ स्वास्थ्य पहलों के जरिए 17 लाख लोगों को सहायता प्रदान की गई
- ❖ सामुदायिक बुनियादी संरचना को सुधारकर 5.22 लाख लोगों के जीवन को बेहतर बनाया

छत्तीसगढ़ राज्य में वेदांता के बालको और बालको मेडिकल सेंटर के प्रमुख योगदान-

- ❖ बालको ने विभिन्न सामाजिक प्रभाव पहलों के माध्यम से 1,69,056 लोगों को लाभ पहुँचाया
- ❖ बीएमसी ने अर्ली-ऑनसेट कोलोरेक्टल कैंसर पर शोध के लिए 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रतिष्ठित कैंसर ग्रांड चैलेंजेस अनुदान प्राप्त किया
- ❖ बालको मेडिकल सेंटर के 77,025 प्रत्यक्ष लाभार्थी
- ❖ प्रोजेक्ट उन्नति के तहत 531 स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) में 5,741 महिलाओं को सशक्त किया गया और 2,087 महिलाओं को 1.2 करोड़ रुपए की संयुक्त बचत के साथ आर्थिक रूप से सशक्त किया गया
- ❖ मोर जल मोर माटी परियोजना के तहत, जिन किसानों ने आधुनिक तकनीकों को अपनाया, उनकी उत्पादकता 1.4 गुना और आय में 50% का वृद्धि हुई
- ❖ वेदांता स्किल स्कूल के तहत 6 व्यवसायों में 1,241 युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें से 81% ने रोजगार प्राप्त किया या फिर खुद का व्यवसाय शुरू किया
- ❖ बालको के प्रोजेक्ट आरोग्य के तहत 49,000 से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला और 8,500 से अधिक लोगों को स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से सहायता मिली।

नया रायपुर में स्थित बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) वेदांता मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन मात दे रहा कैंसर को

नया रायपुर में स्थित बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) वेदांता मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन की प्रमुख पहल है और यह कैंसर देखभाल की पहुँच को सुगम और सुलभ बनाने में अग्रणी के रूप में स्थापित हो चुका है। इसकी स्थापना वर्ष 2018 में की गई थी, और तब से अब तक इसने 170-बेड वाली तृतीयक देखभाल ऑन्कोलॉजी सुविधा के माध्यम से 38,500 से अधिक मरीजों का इलाज किया है। बीएमसी अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक और थेराप्यूटिक सेवाएँ प्रदान कर रहा है। वर्ष 2023 में, बीएमसी को अर्ली-ऑनसेट कोलोरेक्टल कैंसर पर शोध के लिए 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रतिष्ठित कैंसर ग्रैंड चैलेंजेस अनुदान प्राप्त हुआ। यह अनुदान कैंसर रिसर्च यूके और यूएस नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के सहयोग से प्रदान किया गया।

मुंगेली, छत्तीसगढ़ की 7 वर्ष की एक लड़की की कहानी काफी प्रेरणादायक है, जो बालको मेडिकल सेंटर से जुड़ी है। उसे पैर और जांघ की हड्डी में गंभीर हड्डी का कैंसर था, जिसे इविंग्स सारकोमा कहते हैं। बीएमसी में उसे जीवनरक्षक इलाज मिला।

सामान्य तौर पर अगर धातु प्रत्यारोपण का इस्तेमाल करके पारंपरिक पुनर्निर्माण किया जाता, तो पैर की लंबाई में अंतर आ सकता था, जिससे पैर लगभग अनुपयोगी हो जाता। पैर को अलग करने पर भी विचार किया गया, लेकिन वह भी उपयुक्त नहीं था। इसके बजाए, बीएमसी की मेडिकल टीम ने रोटेशनप्लास्टी नामक एक अनोखी और दुर्लभ सर्जरी करने का निर्णय लिया। इस लड़की की कीमोथेरेपी और सर्जरी का पूरा खर्चा आयुष्मान भारत योजना के तहत उठाया गया, जिससे उसके परिवार पर कोई आर्थिक बोझ नहीं पड़ा। इलाज के 6 महीने बाद, अब यह बच्ची आराम से चलने लगी है और अब अपने दैनिक जीवन को सहजता से जीने लगी है।

अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के बारे में जानें-

अनिल अग्रवाल फाउंडेशन वेदांता की सामुदायिक और सामाजिक पहलों के लिए एक मुख्य संगठन है। यह संस्था स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, पशु कल्याण प्रोजेक्ट्स तथा खेलों से जुड़ी पहलों पर काम करता है। अनिल अग्रवाल फाउंडेशन का लक्ष्य स्थायी और समावेशी विकास के जरिये समुदायों को सशक्त बनाना, लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और राष्ट्र निर्माण में मदद करना है। अधिक जानकारी के लिए - https://www.vedantalimited.com/eng/social_impact_csr.php

---

बालको में अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस उत्सव:पुरुषों द्वारा निभाई जाने वाली विविध भूमिकाओं को किया उजागर

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

पुरुष को अकसर ताकत एवं हर परिस्थितियों में डटे रहने का प्रतीक माना जाता हैं हालांकि उनकी कहानियाँ इन पारंपरिक धारणाओं से कहीं ज़्यादा व्यापक हैं। घर के भरण-पोषण के साथ-साथ वे देखभाल, मार्गदर्शक, कला से जुड़ाव और खुद को बेहतर करने वाले भी हैं। अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस पर बालको अपने संयंत्र से जुड़े सभी पुरुषों की विविध पहचान का सम्मान करता है। ऐसे व्यक्ति जिनकी करुणा, रचनात्मकता और समर्पण न केवल रूढ़ियों को तोड़ते हैं बल्कि एक संतुलित और न्यायसंगत दुनिया बनाने के लिए भी प्रेरित करते हैं।

बालको अस्पताल के मरीज अटेंडर विकास महंत देखभाल को अपने उद्देश्य की तरह देखते हैं। उन्होंने कहा कि मरीज की सेवा करने में मुझे खुशी मिलती है। हर दिन लोगों की सेवा के लिए तत्पर रहता हूँ। मरीजों की मदद करना, ख्याल रखना और उनकी मुस्कान देखना मुझे याद दिलाता है कि देखभाल मरीज के उपचार को आसान बना देता है। उन्होंने कहा कि मेरा काम, मुझे जीवन में आगे बढ़ने में मदद तथा परोपकारी बनाता है। इसी तरह प्लांट कैंटीन के सुपरवाईजर आर. प्रदीप पांडिकर ने कहा कि आतिथ्य सिर्फ खाना परोसना या रहने की व्यवस्था करना नहीं वरन आपसी जुड़ाव एवं मानव सेवा के बारे में है। मैं यह सुनिश्चित करता हूं कि बालको में आने वाले आगंतुकों को एक सहज अनुभव मिले। उनके चेहरों पर मुस्कान देखना मेरे लिए सबसे बड़ी संतुष्टि है।

बालको में ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस असिस्टेंट मैनेजर अंकुर सरकार अपने पालतू जानवरों के साथ बेहद जुड़ाव रखते हैं। उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता ने मुझे सभी जीवों का सम्मान करना सिखाया। मेरी मछलियाँ, पक्षी और कुत्ता काम के लंबे दिन के बाद मुझे बिना शर्त प्यार देते हैं। वे मुझे मधुर संबंधों की याद दिलाते हैं। बालको में सीनियर प्रोसेस टेक्नीशियन हरीश देवांगन के लिए कला सच्चे साथी जैसा है। वह याद करते हैं कि बचपन से ही उन्हें पेंटिंग में सुकून मिला है। मेरी रचनाएँ मुझसे बात करती हैं जो मुझे जीवन में आगे बढ़ने एवं धैर्य रखना सिखाती हैं। इस शौक ने मुझे पहचान भी दिलाई है जिसके लिए मैं बालको का बहुत आभारी हूँ।

बालको जीईटी हॉस्टल की रसोई में चीफ शेफ जीत सिंह नेगी अपने हुनर पर गर्व करते हुए बताते हैं कि जैसे-जैसे मेरे मसालों की खुशबू फैलती है, वैसे-वैसे मेरी खुशी भी फैलती है। रोजाना 200 से अधिक लोगों को घर जैसा खाना परोसना, भागदौड़ के बावजूद भी खुशी मिलती है। बालको पॉटलाइन में कार्यरत हीरामणि वैष्णव ने अपनी कविता के बारे में बताते हुए कहते है कि मेरी कुछ कविताएं मेरे काम से प्रेरित हैं। शुरू में कविता सिर्फ मेरे लिए थी लेकिन मेरे साथियों से मिले प्रोत्साहन ने इसे कुछ ऐसा बना दिया जिसे मैं अब दुनिया के साथ साझा करता हूं।

अपने कार्यबल में बहुमुखी पुरुषों का जश्न मनाते हुए बालको ने अपने संयंत्र में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस मनाया। सभी कार्य क्षेत्रों के पुरुषों को मान्यता दी गई और उनकी सराहना की गई। इस उत्सव ने पुरुषों द्वारा निभाई जाने वाली विविध भूमिकाओं को उजागर किया, चाहे वे काम पर हों या उसके अलावा रूढ़ियों को तोड़ने तथा खुद को परिभाषित करते हुए।

बालको एक समावेशी कार्यस्थल बनाने के लिए अपने समर्पण की पुष्टि करता है, जहां हर इंसान बिना किसी लैंगिग भेदभाव के समग्र रूप से विकसित हो सकता है। पुरुषों की बहुमुखी पहचान को स्वीकार और सम्मान देकर बालको आपसी सम्मान, संतुलन और समानता पर आधारित संस्कृति को बढ़ावा देता है।

बालको ने आयोजित किया पुस्तक महोत्सव:शिक्षा और साक्षरता को आगे बढ़ाने नई पहल

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने बाल दिवस के अवसर पर सात दिवसीय पुस्तक महोत्सव का आयोजन किया है। शिक्षा और साक्षरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कंपनी ने विद्या भवन सोसाइटी के सहयोग से अपने सामुदायिक विकास पहल 'प्रोजेक्ट कनेक्ट' के अंतर्गत महोत्सव आयोजित किया। यह महोत्सव बच्चों, परिवारजन तथा सभी उम्र के पुस्तक प्रेमियों के लिए खुला है जो समुदाय को साहित्य से जुड़ने के लिए आमंत्रित करता है। 17 नवंबर, 2024 तक चलने वाला महोत्सव पुस्तकों का एक जीवंत वातावरण प्रदान करता है जहाँ बच्चे आलोचनात्मक पठन कौशल के साथ नई रुचियों को खोजने तथा सीखने की ललक को बढ़ा सकते हैं। पिछले 3 दिनों में इस महोत्सव में 1200 से अधिक लोगों ने भाग लिया है, जो समुदाय की मजबूत भागीदारी और उत्साह को दर्शाता है।

पुस्तक महोत्सव का उद्देश्य युवाओं में साहित्य तथा पढ़ने के प्रति रूचि उत्पन्न करना है। 2000 से अधिक पुस्तकों के साथ बच्चों की विविध रुचियों के अनुरूप इंटरैक्टिव कहानी सत्र, आकर्षक कार्यशालाएँ तथा शैक्षिक खिलौने शामिल हैं। जानकारीपूर्ण पुस्तक संग्रह के साथ महोत्सव में रोचक पठन सत्र, लेखक चर्चा, शब्दावली निर्माण तथा गणित-केंद्रित गतिविधियाँ भी शामिल हैं। ये सभी रोचक जानकारी जिज्ञासा जगाने तथा साझा सीखने का अवसर प्रदान करती हैं। इंटरैक्टिव माहौल में बच्चों तथा अभिभावकों के लिए शैक्षिक खेल भी शामिल हैं जिससे परिवार के साथ जुड़ने का अनुभव तथा आलोचनात्मक सोच तथा रचनात्मकता का विकास होता है।

जिला शिक्षा संस्थान (डाइट) के प्राचार्य रामहरी शराफ कार्यक्रम में अपने विचार साझा करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम युवा दिमागों को प्रेरणा प्रदान करने का कार्य करती हैं जो सीखने की लालसा को बढ़ावा देने तथा उनके भविष्य की यात्रा का मार्गदर्शन करते हैं। पुस्तक महोत्सव के माध्यम से बालको का बाल दिवस समारोह बच्चों को उनके विकास में मदद करने के लिए आवश्यक उपकरण और संसाधन प्रदान कर रहा है। बेटी के साथ कार्यक्रम में शामिल होने वाली सुश्री आशा ने कहा कि हमारे समुदाय में इस तरह के आयोजन को देखना उत्साहजनक है। मेरी बेटी नई पुस्तकों की खोज करने के लिए उत्साहित है। उसके पढ़ने के प्रति विकसित लगाव को देखकर मैं रोमांचित हूं। महोत्सव बच्चों के लिए सीखने, बढ़ने और कल्पनाओं को प्रज्वलित करने का एक शानदार अवसर है।

बालको अपने प्रोजेक्ट कनेक्ट के माध्यम से कोरबा के 6 सरकारी स्कूलों में कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के लिए नियमित कक्षाएं आयोजित करता है। कक्षा 6 से 8 तक बुनियादी साक्षरता और कक्षा 9 से 12 के लिए विज्ञान, अंग्रेजी, गणित और वाणिज्य (सेमा) विषय पर केंद्रित है। शिक्षण और अतिरिक्त शिक्षण घंटों के साथ छात्रों की भागीदारी को बढ़ावा देना और शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार करना है। अबतक प्रोजेक्ट कनेक्ट से 2,500 से अधिक छात्र लाभान्वित हुए हैं। इसमें करियर परामर्श, शिक्षक प्रशिक्षण और ग्रीष्मकालीन एवं शीतकालीन शिविर और रीडिंग मेला जैसी सुविधा प्रदान की गई हैं। एक समग्र शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर प्रोजेक्ट कनेक्ट कोरबा समुदाय में आत्मविश्वास से भरपूर शिक्षार्थियों को आकार देता है।

हम युवाओं के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध-सीईओ राजेश कुमार

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि कहा कि हम अपने समुदाय में युवाओं के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा बाल दिवस पुस्तक महोत्सव पढ़ने के उत्सव के साथ एक आनंदमय समागम है जो परिवार और समुदाय के बंधन को मजबूत करता है। प्रोजेक्ट कनेक्ट के माध्यम से हम कोरबा में शैक्षिक मानकों को उंचाई प्रदान कर रहे हैं। अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए सार्थक मार्ग तैयार कर रहे हैं जिससे उज्जवल भविष्य की नींव रखी जा सके।

जसप्रीत बुमराह के नाम दर्ज हुए 5 बड़े रिकॉर्ड, वसीम अकरम को भी छोड़ा पीछे

कैनबरा/ नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक नहीं, बल्कि 5 रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। बुमराह ने 22 नवंबर को चार विकेट चटकाने के बाद दूसरे दिन विपक्षी टीम के विकेटकीपर एलेक्स कैरी को आउट कर अपनी पांच विकेट हॉल पूरी की। इसके साथ ही, वह टेस्ट क्रिकेट में फाइव विकेट हॉल लेने वाले भारत के पांचवें कप्तान बन गए हैं।

अब तक इस विशेष उपलब्धि का हिस्सा केवल बिशन सिंह बेदी, कपिल देव, अनिल कुंबले और वीनू मांकड़ रहे थे। बुमराह का नाम भी अब इस खास सूची में शामिल हो गया है। इसके साथ ही, पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम का भी एक रिकॉर्ड टूट गया। बुमराह ने एलेक्स कैरी के रुप में ऑस्ट्रेलिया की धरती पर अपना 37वां शिकार किया। इस तरह बुमराह 1990 के बाद से ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई तेज गेंदबाज बन गए। उन्होंने अकरम के 36 विकेट के आंकड़े को पीछे छोड़ा।

भारत के टेस्ट क्रिकेट में फाइव विकेट हॉल लेने वाले कप्तान

8 बार – बिशन सिंह बेदी
4 बार – कपिल देव
2 बार – अनिल कुंबले
1 बार – वीनू मांकड़
1 बार – जसप्रीत बुमराह

इसके अलावा, बुमराह अब विदेशों में टेस्ट मैचों में फाइव विकेट हॉल लेने वाले भारतीय गेंदबाजों में संयुक्त तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस सूची में इशांत शर्मा को बराबरी पर छोड़ा है। सबसे ज्यादा बार यह उपलब्धि हासिल करने वाले गेंदबाज कपिल देव हैं।

विदेशों में टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा फाइव विकेट हॉल लेने वाले भारतीय गेंदबाज

12 – कपिल देव
10 – अनिल कुंबले
9 – जसप्रीत बुमराह
9 – इशांत शर्मा

बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक बार फाइव विकेट हॉल लेने के मामले में जहीर खान और इशांत शर्मा के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली है। इन तीनों गेंदबाजों ने 11-11 बार यह उपलब्धि हासिल की है।

भारत के सर्वाधिक बार फाइव विकेट हॉल लेने वाले तेज गेंदबाज

23 बार – कपिल देव (131 टेस्ट)
11 बार – जसप्रीत बुमराह (41 टेस्ट)
11 बार – जहीर खान (92 टेस्ट)
11 बार – इशांत शर्मा (105 टेस्ट)
10 बार – जवागल श्रीनाथ (67 टेस्ट)

इसके अलावा, बुमराह ने एशियाई देशों के गेंदबाजों में SENA (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) देशों में टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत के मामले में वसीम अकरम को पछाड़ते हुए पहले स्थान पर कब्जा किया है।

SENA देशों में बुमराह का कमाल

22.63 – जसप्रीत बुमराह
24.11 – वसीम अकरम
25.02 – मोहम्मद आसिफ
26.55 – इमरान खान
26.69 – मुथैया मुरलीधरन

बुमराह अब स्श्क्क देशों में टेस्ट क्रिकेट में एशियाई गेंदबाजों के बीच सर्वाधिक फाइव विकेट हॉल लेने के मामले में टॉप 5 में आ चुके हैं, जहां पहले स्थान पर वसीम अकरम का नाम है।

SENA देशों में सर्वाधिक फाइव विकेट हॉल लेने वाले गेंदबाज

11 – वसीम अकरम
10 – मुथैया मुरलीधरन
8 – इमरान खान
7 – कपिल देव
7 – जसप्रीत बुमराह

लंदन में अमेरिकी दूतावास के बाहर जोरदार धमाका

लंदन (एजेंसी)।

लंदन में अमेरिकी दूतावास के बाहर जोरदार धमाका होने की खबर सामने आई है। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने इस धमाके की पुष्टि की है। पुलिस का कहना है कि मध्य लंदन में अमेरिकी दूतावास के पास एक जोरदार धमाके की आवाज सुनी गई है।

लंदन के गैटविक एयरपोर्ट पर सुरक्षा संबंधित कारणों से एहतियात के तौर पर टर्मिनल के एक बड़े हिस्से को खाली करा दिया गया है। गैटविक ब्रिटेन का दूसरा सबसे व्यस्ततम एयरपोर्ट है। एयरपोर्ट ने जानकारी देते हुए कहा कि घटना की जांच के दौरान उसके साउथ टर्मिनल के एक हिस्से को खाली करा लिया गया है। साथ ही यात्रियों को बिल्डिंग में प्रवेश करने से रोका जा रहा है।

एयरपोर्ट ने एक बयान में कहा, एहतियात के तौर पर साउथ टर्मिनल के एक बड़े हिस्से को खाली करा लिया गया है, जबकि हम सुरक्षा घटना की जांच जारी रखे हुए हैं। इस दौरान यात्री साउथ टर्मिनल में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। हमारे यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम इस मुद्दे को जल्द से जल्द हल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

गैटविक लंदन से 30 मील (48.2803 किलोमीटर) दक्षिण में स्थित है। घटना को लेकर फिलहाल स्थानीय पुलिस ने कोई टिप्पणी नहीं की है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक नेशनल रेल ने लोगों से इस घटना के दौरान मेट्रो स्टेशन पर जाने से बचने को कहा है। बताया गया है कि यह व्यवधान दोपहर 2 बजे (स्थानीय समयानुसार) तक जारी रहने की उम्मीद है।

एयरपोर्ट पर मौजूद लोगों ने सोशल मीडिया पर इस अव्यवस्था के बारे में पोस्ट किया है, जिसमें कहा गया है कि चेक-इन और सुरक्षा लाइनें बंद कर दी गई हैं और लोगों को बाहर निकलने के लिए कहा गया है। एयरपोर्ट ने यात्रियों को आश्वस्त किया है कि उत्तरी टर्मिनल अभी भी खुला है। इसने उन यात्रियों से आग्रह किया है जिनकी उड़ानें दक्षिणी टर्मिनल से रवाना होती हैं, वे अपनी एयरलाइनों से स्थिति की जांच कर लें।

माता वैष्णो देवी के भवन पर पहली बार यज्ञ

जम्मू (एजेंसी)।

श्री माता वैष्णो देवी भवन पर भी अब अन्य मंदिरों की तरह यज्ञ करने की सुविधा मिलेगी। इसके लिए पांच कुंडीय यज्ञशाला प्राचीन गुफा के ठीक नीचे बनाई गई है। श्राइन बोर्ड के सी.ई.ओ. अंशुल गर्ग बताते हैं कि बोर्ड का पूरा फोकस है कि नए साल में कुछ ऐसी चीजें ऐड की जाएं जो भक्तों की यात्रा को और सुगम बनाएं। हम भवन और यात्रा मार्ग पर आवासीय सुविधाओं पर ज्यादा केंद्रित हैं। हमने बाण गंगा में नया यात्री सुविधा केंद्र बनाया है जहां आपको यात्रा से संबंधित तमाम जानकारी मिलेगी, पंजीकरण, घोड़ा, पिट्ठू, बैटरी कार, आवास सब यहां से बुक हो सकेगा। नवजात बच्चों के स्तनपान के लिए उनकी माताओं की सुविधा हेतु स्तनपान केंद्र, स्नानागार आदि सब उपलब्ध रहेगा ताकि यात्रा का आगाज पहले से भी बेहतर हो। बाण गंगा में हरिद्वार की तर्ज पर आरती भी शुरू की जा रही है।

इसी तरह यात्रा मार्ग पर नए और सुविधा केंद्र नए साल से खुल रहे हैं। पूरे साल में 3-4 ऐसे बड़े प्रोजेक्ट हैं जो शुरू होंगे। भवन पर नया वैष्णवी आवास बनेगा जिसमें 300 बैड होंगे। बैटरी चलित गाड़ियों का अलग से तीन मंजिला कार स्टैंड बनाया जा रहा है। भवन की अटका आरती की तर्ज पर हाल ही में श्राइन बोर्ड ने अर्ध कुंवारी में भी अलग से गर्भ जून आरती शुरू कराई है। पहले गुफा आरती के दौरान यहां उसका प्रसारण होता था। यकीनन अब आप यहां अलग से वैसे ही आरती का लाभ संवरण कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त हमारे सबसे महत्वाकांक्षी रोपवे प्रोजैक्ट से यह यात्रा इतनी आसान हो जाएगी जो कभी भक्तों ने सोचा भी नहीं होगा, खासकर बुजुर्ग, अक्षम, असमर्थ और दिव्यांग यात्री भी अब मातृ दर्शन का लाभ ले पाएंगे।

चॉपर सेवा सबके लिए नहीं है और सबके बस की बात भी नहीं। ऐसे में बड़े मंथन के बाद रोपवे बनाने का फैसला हुआ था जो ताराकोट से सांझी छत तक जाएगा। हमने केंद्र सरकार की एजैंसी के माध्यम से इसे अंतिम रूप दिया है। सब कागजी कार्रवाई पूर्ण है जल्द काम शुरू होगा। कैबिन यूरोप से इम्पोर्ट होंगे। अगले वर्षों में विश्व स्तरीय रोपवे जल्दी भक्तों के लिए उपलब्ध होगा और यह कटरा से सांझी छत तक पहुंचने के लिए महज छह मिनट लेगा और यही नहीं आम आदमी हैलीकाप्टर के मुकाबले दस गुना कम खर्च में यानी करीब 250 या 300 रुपए में यह यात्रा कर पाएगा। रोज करीब 10,000 यात्री रोपवे से जा सकेंगे। इससे सभी भक्तों को एक बड़ी राहत मिलेगी।

इससे यात्रियों की संख्या तो बढ़ेगी लेकिन दिलचस्प ढंग से भवन पर सुविधा मांगों के दबाव में भारी कमी आएगी। इस लिहाज से यह बोर्ड के लिए भी वरदान होगा क्योंकि भवन पर सीमित स्थान के चलते बढ़ती संख्या का प्रबंधन एक बड़ी चिंता थी। नए साल पर भक्तों को पहली बार भवन पर रुकने के लिए फैमिली रूम्स की सुविधा भी मिलेगी। इसके तहत 8 बिस्तरों वाला कमरा मिलेगा जिसमें वाशरूम्स अटैच्ड होगा। साल 2022 तक भवन पर कुल आवासीय सुविधा 3000 बिस्तर की थी। अब पुराने दुर्गा भवन को नए सिरे से बनाकर यहां एकसाथ 3000 और यात्रियों के ठहरने का विशेष प्रबंध किया गया है। खास बात यह है कि यह नि:शुल्क है। भक्तों को नि:शुल्क साफ-सुथरी डोरमैट्री 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर उपलब्ध कराई जाती है। इसी भवन में कुछ अलग कमरे भी बनाए गए हैं जिन्हें आप शुल्क देकर हासिल कर सकते हैं।

सरकार की गृह लक्ष्मी योजना : महिलाओं को मिलेंगे 24 हजार रुपये

बैंगलुरू (एजेंसी)।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके जीवन स्तर को बेहतर करने के लिए कर्नाटक सरकार ने गृह लक्ष्मी योजना शुरू की है। इस योजना के तहत राज्य की महिला मुखियाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

क्या है गृह लक्ष्मी योजना ?

गृह लक्ष्मी योजना के तहत, कर्नाटक सरकार हर महीने राज्य की महिला मुखियाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करती है। यह सहायता डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (छ्क्क्ञ) के माध्यम से सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है। योजना के तहत हर महिला को मासिक 2000 रुपये यानी सालाना 24,000 रुपये दिए जा रहे हैं।

अब तक इस योजना के तहत 1.11 करोड़ परिवारों की महिला मुखियाओं को लाभ पहुंचाया जा चुका है। इसके साथ ही अंत्योदय कार्ड धारकों को भी योजना का हिस्सा बनाया गया है।

कौन कर सकता है आवेदन ?
इस योजना का लाभ पाने के लिए कुछ पात्रताएं तय की गई हैं-

-योजना का लाभ उन्हीं महिलाओं को मिलेगा जो गरीबी रेखा के नीचे या ऊपर जीवन यापन करती हैं।

-महिला के परिवार में यदि कोई सदस्य त्रस्ञ्ज या इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करता है, तो वे योजना के लिए पात्र नहीं हैं।

-जिन परिवारों में कोई सदस्य सरकारी नौकरी करता है, वे भी इस योजना के तहत शामिल नहीं किए जाएंगे।

-इस योजना का उद्देश्य है महिलाओं के भरण-पोषण की जिम्मेदारी उठाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करना।

कैसे करें आवेदन ?

गृह लक्ष्मी योजना में आवेदन करना बेहद आसान है।

ऑनलाइन आवेदन के लिए- लाभार्थी को सेवा सिंधु पोर्टल पर जाकर आवेदन करना होगा।

ऑफलाइन आवेदन के लिए- अपने नजदीकी जन सेवा केंद्र पर जाकर आवेदन किया जा सकता है।

आवेदन के लिए जरूरी दस्तावेज-

- आधार कार्ड
- बैंक खाता विवरण
- राशन कार्ड (यदि उपलब्ध हो)
- महिलाओं के लिए एक नई उम्मीद

कर्नाटक सरकार की यह योजना न केवल महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है, बल्कि उनके जीवन में आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण का नया अध्याय भी जोड़ रही है। इस योजना के जरिए राज्य सरकार का लक्ष्य है महिलाओं की जीवनशैली को बेहतर बनाना और उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना।

आप भी बन सकती हैं इसका हिस्सा

अगर आप इन मानदंडों को पूरा करती हैं, तो आज ही गृह लक्ष्मी योजना के तहत आवेदन करें और इस अवसर का लाभ उठाएं।

मणिपुर में अब तक 258 की मौत

सुरक्षाबलों की 90 कंपनियां और होंगी तैनात

इम्फाल (एजेंसी)।

मणिपुर में मेइती और कुकी समुदायों के बीच पिछले साल मई से हो रही जातीय हिंसा में 258 लोगों की जान जा चुकी है। राज्य सरकार के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह ने यह जानकारी दी। सिंह ने बताया कि राज्य में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की लगभग 90 कंपनियां तैनात की जाएंगी, जो मणिपुर में पहले से मौजूद 198 कंपनियों के अतिरिक्त होंगी। सुरक्षा समीक्षा बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, ''इस हिंसा में अब तक आतंकवादियों सहित कुल 258 लोगों की जान जा चुकी है।

सुरक्षा सलाहकार ने बताया कि मंत्रियों और विधायकों की संपत्तियों में तोड़फोड़ एवं आगजनी के सिलसिले में 32 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि करीब 3,000 लूटे गए हथियार बरामद किए गए हैं। सिंह ने कहा, मणिपुर में तैनात करने के लिए हमें सीएपीएफ की लगभग 90 कंपनियां मिल रही हैं, जो राज्य में पहले से तैनात 198 कंपनियों के अतिरिक्त हैं। इनमें से काफी संख्या में कंपनियां पहले ही इंफाल पहुंच चुकी हैं। हम नागरिकों की जान-माल और संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा बलों को तैनात कर रहे हैं।

बैठक के बाद उन्होंने कहा कि अधिकारी प्रत्येक जिले में समन्वय प्रकोष्ठ और संयुक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित करेंगे। बैठक में सेना, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), असम राइफल्स, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और मणिपुर पुलिस के प्रतिनिधि शामिल हुए।

सिंह ने कहा, समन्वय, कार्यप्रणाली, सीमांत क्षेत्रों की सुरक्षा, राष्ट्रीय राजमार्गों की सुरक्षा तथा अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ध्यान देने के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती के वास्ते कई एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) तैयार की गई हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को बैठक के नतीजे के बारे में जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि नौ शवों का कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्वक अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें छह शव उनलोगों के शामिल हैं, जिनकी जिरीबाम में अपहरण कर हत्या कर दी गई थी।

IFFI 2024 : आशुतोष गोवारिकर बने इंटरनेशनल जूरी के अध्यक्ष

मुंबई (एजेंसी)। जोधा अकबर, लगान और स्वदेस जैसी फिल्मों के लिए मशहूर निर्माता-निर्देशक आशुतोष गोवारिकर को इस महीने गोवा में होने जा रहे भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के लिए अंतरराष्ट्रीय जूरी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। हाल ही में वह भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के जूरी सदस्यों से मिले जिसकी तस्वीरें इस समय इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं।

जूरी को लीड करेंगे आशुतोष गोवारिकर- इस साल के गोल्डन पीकॉक जूरी का नेतृत्व आशुतोष गोवारिकर कर रहे हैं और इसमें सिंगापुर के निर्देशक एंथनी चेन, ब्रिटिश-अमेरिकी निर्माता एलिजाबेथ कार्लसन, स्पेनिश निर्माता फ्रैन बोर्गिया समेत अन्य दिग्गज भी शामिल हैं।

दूसरी बार मां बनने वाली हैं सना खान

मुंबई (एजेंसी)। बिग बॉस 6 का हिस्सा रहीं और फॉर्मर एक्ट्रेस सना खान के घर फिर से किलकारी गूंजने वाली है। जी हां, सना दूसरी बार मां बनने जा रही हैं। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर अपनी सेकेंड प्रेग्नेंसी अनाउंस की है। सना खान और उनके पति अनस सैयद ने एक कोलाब वीडियो शेयर कर ये अपने दोबारा पेरेंट्स बनने की गुड न्यूज फैंस के साथ शेयर की है। वीडियो में लिखा है- अल्लाह के ब्लेसिंग्स से हमारे तीन की फैमिली अब चार होने जा रही है। अल्हम्दुलिल्लाह, हमारा नन्हा मेहमान आने वाला है। सैयद तारिक जमील बड़े भाई बनने के लिए एक्साइटेड हैं।

पंचकर्म चिकित्सालय में स्वर्ण बिंदू प्राशन संस्कार से बच्चों का टीकाकरण

अभिभावकों से अपील: मानसिक एवं शारीरिक क्षमता बढ़ाने हर बच्चों को जरूरी है स्वर्ण बिंदू प्राशन-डॉ. मनीषा सिंह

कोरबा(दिव्य आकाश)।

हर महीने के पुष्य नक्षत्र पर कोरबा के स्वास्थ्य के क्षेत्र में संजीवनी माना जाने वाला आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सालय आयुर्वेद सदन: पंचकर्म चिकित्सालय कोरबा में शून्य से 14 वर्ष के बच्चों को स्वर्ण बिंदू प्राशन संस्कार के माध्यम से ड्राप पिलाकर टीकाकरण किया जाता है। आयुर्वेद सदन पंचकर्म चिकित्सालय की डायरेक्टर डॉ. मनीषा सिंह ने बताया कि स्वर्ण बिंदू प्राशन संस्कार के माध्यम से जीवनरूपी ड्राप बच्चों को पिलाने से उनकी मानसिक एवं शारीरिक क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि होती है, साथ ही बच्चों में रोग-प्रतिरोधक क्षमता का भी विकास होता है और बच्चों को जन्म से ही स्वर्ण बिंदू प्राशन की बूंद पिलाने से स्वस्थ रहते हैं। जब शरीर स्वस्थ रहेगा, तो मानसिक रूप से बच्चा स्वस्थ और प्रतिभावान बनेगा। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि शून्य से 14 वर्ष के बच्चों का हर महीना पुष्यनक्षत्र पर स्वर्ण बिंदू प्राशन संस्कार अवश्य करायें, इससे बच्चों का भविष्य स्वस्थ और स्वर्णिम बनता है। इस शुक्रवार को आयुर्वेद सदन: पंचकर्म चिकित्सालय टीपी नगर कोरबा में कोरबा सहित दूरदराज से आये बच्चों का स्वर्ण प्राशन संस्कार कराया गया। सुबह से शाम तक कई अभिभावक अपने बच्चों को लेकर पंचकर्म चिकित्सालय पहुंचे थे।

शीघ्र किराए से देना है

कोरबा के हृदय स्थल टी.पी. नगर कोरबा होटल ब्लू डायमंड के सामने प्रथम मंजिल में स्थित 3000 स्क्वायर फीट हॉल जिसमें 2 सेप्रेट वाशरूम, फाल सिलिंग, विट्रीफाइड फ्लोर एवं डबल डेकर नीचे 12 X 16, ऊपर 12 X 32 दुकान शीघ्र किराए पर देना है।

संपर्क करें:-
गोपाल राय सोनी
श्रीराम कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, नया बस स्टैंड के समीप, टी.पी. नगर कोरबा
मो.: 77480-44444, 88270-47777

बालको वॉलीबॉल प्रतियोगिता अंबेडकर स्टेडियम में संपन्न

महिला वर्ग में प्रोजेक्ट फिमेल्स टीम विजयी पुरूष वर्ग में सिक्योरिटी ए ने दर्ज की जीत

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अंतरविभागीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन धूमधाम से संपन्न किया। प्रतियोगिता के महिला वर्ग में प्रोजेक्ट फिमेल्स टीम ने सिक्योरिटी स्पाइकर्स टीम को हराकर फाइनल विजेता टीम का खिताब अपने नाम किया। पुरुष वर्ग में सिक्योरिटी ए ने रोचक मुकाबले में पॉटरूम स्टार्स को मात देकर फाइनल विजेता ट्रॉफी अपने नाम किया। पॉवर राकर्स ने कास्ट बस्टर्स टीम को मात देकर प्रतियोगिता में अपना तीसरा स्थान सुनिश्चित किया। इस प्रतियोगिता में कुल 36 पुरुष और 6 महिला टीमों ने हिस्सा लिया। लगभग 15 दिनों तक चले वॉलीबॉल प्रतियोगिता में कंपनी के अधिकारियों, कर्मचारियों, ठेका कामगारों, विभिन्न इकाइयों में कार्यरत महिलाएं तथा बालको अस्पताल की महिला एवं पुरुष टीमों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से खेल प्रेमियों का भरपूर मनोरंजन किया।

सभी विजेता टीम को कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ट्रॉफी एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरुष वर्ग में बेस्ट स्पाइकर्स सूरज, बेस्ट स्मैशर बिबेकानंद मोहराना (बापूनी) तथा बेस्ट डिफेंडर विजय मिश्रा को चुना गया। वहीं महिला वर्ग में बेस्ट स्पाइकर्स रुपांजली, बेस्ट स्मैशर सुमन चंद्रवंशी तथा बेस्ट डिफेंडर की खिताब पुष्पांजली चौहान को मिला।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता में बालको के अधिकारी, कर्मचारी, व्यावसायिक भागीदारों और टाउनशिप सहित कुल महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों को मिलाकर 400 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। टीम भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रतिस्पर्धा मैच के अलावा सद्भावना मैच जिसमें कमेटी बनाम रेफरी टीम तथा मैनेजमेंट बनाम ट्रेड यूनियन के बीच खेला गया। टीमों ने खेल भावना परिचय देते हुए प्रतिस्पर्धा की जिससे संगठन के भीतर सौहार्द और मजबूत हुआ।

खेल स्पर्धाओं से टीम भावना को मिलती है मजबूती-राजेश कुमार

प्रतियोगिता में सभी टीमों को खेल की सराहना करते हुए बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने विजेता टीमों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि टीम भावना, एकजुटता और पारस्परिक सौहार्द्र बढ़ाने के उद्देश्य से खेल स्पर्धाओं का आयोजन महत्वपूर्ण है। कंपनी अपने कर्मचारियों एवं व्यावसायिक भागीदारों के स्वास्थ्य के लिए नियमित विभिन्न खेलों का आयोजन किया है।

आदर्श राजवाड़े कुर्मी समाज का शपथ समारोह 24 को : केबिनेट मंत्री लखन होंगे मुख्य अतिथि

कोरबा/कनकी (दिव्य आकाश)।

आदर्श राजवाड़े कुर्मी समाज की केंद्रीय समिति का शपथ ग्रहण 24 नवंबर को दोपहर 12 बजे ग्रामपंचायत कनकी के राजवाड़े भवन में होगा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में केबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन को आमंत्रित किया गया है। हाल ही में केंद्रीय समिति का चुनाव संपन्न हुआ, जिसमें कृपासिंधु राजवाड़े अध्यक्ष एवं शैलेंद्र राजवाड़े सचिव निर्वाचित हुए। अध्यक्ष कृपासिंधु ने अपनी नई कार्यकारिणी का गठन किया है, जिसमें 7 उपाध्यक्ष, दीपक कुमार राजवाड़े कोषाध्यक्ष, गिरधारी संगठन सचिव, जीवन लाल पर्वक्ता, नूतन युवा संगठन प्रमुख बनाये गये हैं। कृपासिंधु राजवाड़े ने अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है। इसके पूर्व शहरी इकाई के सदस्यों एवं महिला मंडल ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष कृपासिंधु एवं सचिव शैलेंद्र का भव्य स्वागत कुआंभट्ठा स्थित राजवाड़े भवन में किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

कोऑपरेटिव दुकानों में चने की आपूर्ति नहीं

कोरबा (दिव्य आकाश)। जिले में सभी शासकीय राशन दुकानों में गरीबों के लिए चना की आपूर्ति नहीं हो रही है, जिससे हितग्राही एवं कोऑपरेटिव दुकान संचालक परेशान हैं। कोऑपरेटिव सोसायटी संचालकों का कहना है कि खाद्य विभाग द्वारा इस माह सभी राशन दुकानों में चने की आपूर्ति नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि रायपुर चना भंडारण में टेंडर नहीं होने के कारण चना कि आपूर्ति नहीं हुई है। मुख्य भंडारण में चना नहीं होने के कारण और अनिश्चिता बनी हुई है। राशन कार्डधारी प्रतिदिन कोऑपरेटिव दुकानों का चक्कर लगा रहे हैं तथा चना आपूर्ति के बारे में बहस एवं पूछताछ कर रहे हैं, जिसके चलते अन्य गरीबों को राशन लेने में विलंब हो रहा है, क्योंकि हर कार्डधारी का प्रश्न है कि चना क्यों नहीं आ रहा है? कब तक आएगा, जिसका उत्तर कोऑपरेटिव दुकानों को देना पड़ रहा है। कार्डधारी विपेन्द्र साहू का कहना है कि समय पूर्व चना की आपूर्ति ठेका या अन्य माध्यमों से की जानी चाहिए ताकि कार्ड धारी को दुकानों में दो बार राशन लेने के लिए आना न पड़े। यह अधिकारियों का दायित्व है कि व समय पूर्व पत्राचार कर चने की आपूर्ति समय पर करें, ताकि राशन कार्ड धारी को परेशानी न हो।

हार-जीत मायने नहीं रखती:खेल भावना से बढ़ती है एकता और सद्भावना: आरती विकास अग्रवाल

मिनीमाता कॉलेज परिसर में राज्य स्तरीय खो-खो खेल प्रतियोगिता का समापन:दुर्ग विश्वविद्यालय को विजेता का अवार्ड, रायपुर रनरअप

कोरबा (दिव्य आकाश)।

शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय खेल परिसर में राज्य स्तरीय महिला खो-खो खेल प्रतियोगिता का आज समापन हुआ, जिसमें दुर्ग विश्वविद्यालय को विजेता का अवार्ड दिया गया, वहीं रायपुर विश्वविद्यालय को उपविजेता का पुरस्कार मिला। छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित महिला खो-खो प्रतियोगिता में प्रदेश भर की विश्वविद्यालय की टीमों ने भाग लिया, जिसमें प्रदेश भर के महाविद्यालयों के खिलाडियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

कोरबा मिनीमाता कन्या महाविद्यालय परिसर में स्थित खेल मैदान में आयोजित इस प्रतियोगिता में सभी कॉलेज की छात्राओं ने अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। दर्शकगण छात्राओं की प्रतिभा देखकर काफी रोमांचित हुए, लेकिन दुर्ग विश्वविद्यालय की छात्राओं ने सबसे बेहतर प्रदर्शन किया और विजेता का खिताब अपने नाम किया और अतिथियों ने उन्हें विजेता का शील्ड प्रदान किया। उपविजेता के रूप में रायपुर विश्वविद्यालय को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती आरती अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि पूर्व पार्षद एवं समाज सेवी विकास अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. राजेंद्र सिंह, क्रीड़ा अधिकारी अनिमा तिर्की सहित सदस्यों ने खिलाड़ियों का सम्मान किया।

हार-जीत मायने नहीं रखती, खेल भावना सबसे बड़ी चीज-आरती अग्रवाल

राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयीन महिला खो-खो खेल प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित करती हुई जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती आरती विकास अग्रवाल ने कहा कि खेल प्रतियोगिता में किसी की हार और किसी की जीत होती है। हार-जीत मायने नहीं रखती, खेल भावना से खिलाड़ियों के बीच एकता और सद्भावना बढ़ती है। हारने वाली टीम एक दिन अवश्य जीतेगी, थोड़ी मेहनत और करनी पड़ेगी। जो बार-बार गिरकर भी संभलता है, वह एक दिन अवश्य उठता है और जीतता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विशिष्ट अतिथि समाज सेवी विकास अग्रवाल ने भी सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेहतर कैरियर बनाने के लिए पढ़ाई के साथ खेल भी बहुत जरूरी है। खेल से शरीर स्वस्थ रहता है और दीर्घायु मिलती है। खेल से शरीर स्वस्थ रहेगा तो मस्तिष्क पुष्ट होगा और ऐसे खिलाड़ी पढ़ाई में भी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश एवं केंद्र की भाजपा सरकार खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को सरकार शासकीय सेवा में भी अच्छे पदों पर चयन करती है। खिलाड़ी राज्य, राष्ट्र का नाम रोशन भी करते हैं, यह बड़ी बात है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. राजेंद्र सिंह ने कॉलेज की गतिविधियों की जानकारी देते हुए स्वागत उद्बोधन दिया और अतिथियों सहित उपस्थित खिलाड़ियों का स्वागत किया। इस अवसर पर जनभागीदारी समिति के सदस्य संजय मानिकपुरी, धनकुमारी गर्ग, रेखा सांडिया, ज्योति वर्मा, हेमा साहू, संध्या पाण्डेय, डॉ. एपी सिंह, स्मिता सिंह, कोमल आशीष, युवराज चंद्रा, राजेंद्र साहू, लता नायर, राजेश साहू, रेखा श्रीवास, स्वाति कश्यप सहित अन्य अतिथि भी उपस्थित थे।

र्‍यूमीकैप (RHEUMICAP)

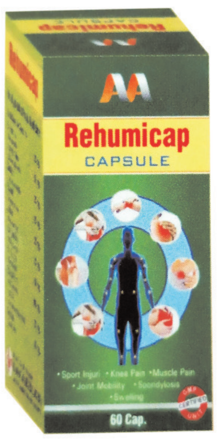

र्‍यूमीकैप वात सम्बन्धित रोग जैसे शूल, आमवात, सन्धिवात, कटिग्रह, गृध्रसी में अचूक औषधि है, र्‍यूमीकैप कुचला, इन्द्रायान, मूल गुडूची, रसौल, लहसुन, कुलिंजन बीज, शु. गुग्गुल, रास्नापत्र, इन्द्रजौ और अमलताश आदि औषधियों का मिश्रण है। इस औषधि का प्रधान कार्य वातवाहिनी नाड़ियों पर होता है। जब वायु कुपित हो भयंकर वेदना उत्पन्न करती है तब यह कैप्सूल विशेष प्रभावकारी होता है।

Bharat Ayurvedic Works, Mob.: 9897489900

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श

सीएसईबी चौक | स्टेडियम रोड | ट्रांसपोर्ट नगर चौक | मुड़ापार रोड

गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो मर्दो व औरतों के गुप्त रोगों के निराश रोगी ईलाज के लिए मिलें।

डॉ. वाय. भारद्वाज
(एम.डी.) (एन.एम.)

पतंजलि | श्रीश्री AYURVEDA | बैद्यनाथ | Dabur | ZANDU

शराब छुड़ाने की हर्बल दवा उपलब्ध

सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता

एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...

शिव हर्बल आयुर्वेदिक एण्ड कॉस्मेटिक
शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर राजवाड़े द्वारा आकाश आफसेट टीपी नगर कोरबा से मुदित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com